

करेंट अफेयर्स

उत्तराखंड

(संग्रह)



नवम्बर

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तराखंड	4
113 वर्ष पुराने सरयू पुल का पुनर्निर्माण	4
बजरंग सेतु	5
सूखाताल झील	5
NGT ने आसन नदी में कचरे की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी	6
कफनी ग्लेशियर	8
देवभूमि परिवार योजना	9
नरेंद्र-09 गेहूँ: एक किस्म	9
पानी बोओ, पानी उगाओ अभियान	10
बागेश्वर में सोपस्टोन खनन	10
मंगसीर बगवाल	11
भारत में गंगा नदी बेसिन का पहला डिजिटल प्रतिरूप	12
राष्ट्रीय भूकंपीय जोखिम मानचित्र	13
भागीरथी नदी में गाद स्तर में वृद्धि	14
उत्तराखंड में पुनर्स्थापन हेतु बंजर भूमि चिह्नित	14
देहरादून का पहला ग्रे स्मार्ट टॉयलेट	15
सूर्यकिरण अभ्यास 2025	16
राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स	17
राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य पालन गणना 2025 प्रारंभ	17
LVM3-M5 प्रक्षेपण: ISRO ने भारत के सबसे भारी संचार उपग्रह 'GSAT-7R' का सफल प्रक्षेपण किया	18
त्रि-सेवा सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल 2025'	19
पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों में दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस (IDEI) 2025	20
भारतीय महिला टीम ने क्रिकेट विश्व कप 2025 जीता	21

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्सस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



क्यूएस रैंकिंग एशिया 2026 में 137 भारतीय संस्थान	22
अमूल विश्व की शीर्ष सहकारी समितियों में प्रथम	23
गुरु नानक देव जयंती	24
मालदीव ने विश्व में पहली बार पीढ़ीगत धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया	25
अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फेरारी रेस करने वाली पहली भारतीय महिला	26
भारतीय नौसेना द्वारा 'इक्षक' नौसेना में शामिल	26
राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष	27
विशेष अभियान 5.0	28
राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस 2025	28
गूगल का प्रोजेक्ट सनकैचर	29
उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2025	30
खाद्य एवं कृषि स्थिति (SOFA) रिपोर्ट 2025	31
मालाबार अभ्यास 2025	32
राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस 2025	33
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2025	34
भारत की पहली MWh-स्केल वैनैडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB)	35
बुकर पुरस्कार 2025	35
अमोनियम नाइट्रेट	36
गरुड़ अभ्यास 2025	37
अजय वारियर-25 अभ्यास	38
विश्व मत्स्य दिवस 2025	39
गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस	40
हायली गुब्बी ज्वालामुखी	42
नई चेतना 4.0 अभियान	43
भारत में राष्ट्रमंडल खेल 2030 का आयोजन	44
राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन 2025	45
भारत उष्ण कटिबंधीय वन निधि में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल	46

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



उत्तराखंड

113 वर्ष पुराने सरयू पुल का पुनर्निर्माण

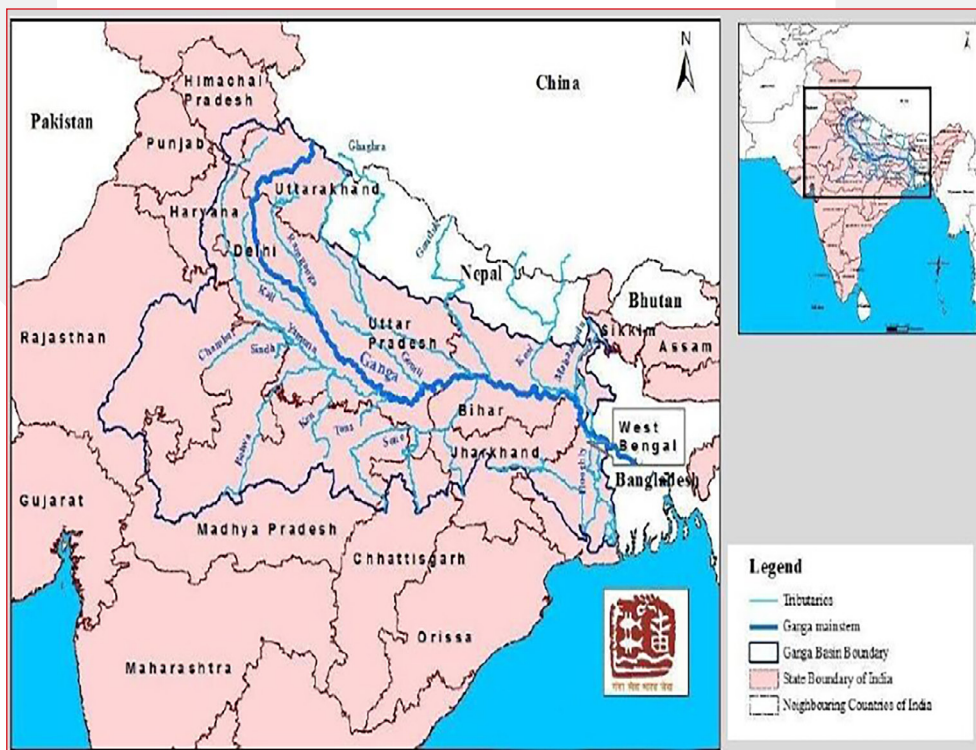
चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड सरकार ने बागेश्वर ज़िले में **सरयू नदी** पर स्थित ऐतिहासिक सस्पेंशन ब्रिज के पुनर्निर्माण के लिये 1.8 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी।

मुख्य बिंदु

परिचय:

- वर्ष 1913 में निर्मित यह पुल एक शताब्दी से अधिक समय से शहर के बाज़ार और आवासीय क्षेत्रों को जोड़ता रहा है तथा यह स्थानीय जीवन में गहरा महत्त्व रखता है।
- यह पुल स्थानीय जनजीवन, त्योहारों और दैनिक आर्थिक गतिविधियों की साक्षी रहा है, जिससे यह केवल एक अवसंरचनात्मक संपत्ति नहीं, बल्कि बागेश्वर की सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक विरासत का जीवित हिस्सा बन गया है।



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



♦ सरयू नदी:

- सरयू नदी (जिसे सरजू नदी भी कहा जाता है) उत्तराखंड के बागेश्वर ज़िले में सरमूल के पास ग्लेशियरों से निकलती है, जो **कुमाऊँ हिमालय** में नंदा कोट चोटी के दक्षिणी ढलान पर स्थित है।
- यह नदी भारत-नेपाल सीमा के पास **काली नदी (शारदा)** में मिलने से पहले बागेश्वर और पिथौरागढ़ ज़िलों के कुछ हिस्सों से दक्षिण तथा दक्षिण-पश्चिम दिशा में बहती है।
 - काली नदी अंततः घाघरा नदी (नेपाल में करनाली) में मिल जाती है, जो गंगा नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है।
 - इस क्षेत्र में इसके प्रवाह को बढ़ाने वाली प्रमुख सहायक नदियाँ गोमती (बागेश्वर में इसमें मिलती है) और रामगंगा (पूर्व) हैं।
- यह नदी धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, विशेषकर घाघरा नदी का निम्न भाग, जिसे अयोध्या में सरयू नदी के रूप में पूजा जाता है, जहाँ इसे **भगवान राम** से जोड़ा जाता है।

बजरंग सेतु

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड सरकार **ऋषिकेश** में ऐतिहासिक लक्ष्मण झूला के स्थान पर एक नया पुल 'बजरंग सेतु' का निर्माण कर रही है, जिसे अधिक सुरक्षा, सुचारु यातायात प्रवाह और **पर्यटन संवर्द्धन** को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है।

मुख्य बिंदु

♦ बजरंग सेतु:

- यह भारत का पहला केबल स्स्पेंशन ब्रिज होगा, जिसमें नदी के ऊपर काँच के मार्ग बनाए जा रहे हैं।
- यह संरचना तीन लेन वाली है, जिसमें दोपहिया वाहनों हेतु केंद्रीय स्टील डेक तथा दोनों ओर पैदल यात्रियों के लिये चौड़े काँच के मार्ग होंगे।
- इसके प्रवेश द्वारों की रूपरेखा कथित रूप से **केदारनाथ मंदिर** से प्रेरित है।

♦ लक्ष्मण झूला:

- यह गंगा नदी पर बना एक प्रसिद्ध झूला पुल है, जो तपोवन (टिहरी गढ़वाल) को जोंक (पौड़ी गढ़वाल) से जोड़ता है।
- वर्ष 1929 में निर्मित इस पुल का नाम भगवान लक्ष्मण के नाम पर रखा गया था। माना जाता है कि हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान लक्ष्मण ने इसी स्थल पर जूट की रस्सियों से बने एक अस्थायी पुल के माध्यम से गंगा नदी पार की थी।
- गंभीर संरचनात्मक क्षति और सुरक्षा जोखिमों के कारण, वर्ष 2019 में

सूखाताल झील

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने सूखाताल झील में चल रहे सौंदर्यीकरण और निर्माण कार्यों के संबंध में **नैनीताल** ज़िला विकास प्राधिकरण से रिपोर्ट मांगी है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मुख्य बिंदु

◆ झील के बारे में:

- यह एक **मीठे पानी की झील** है, जो नैनीताल नगर से लगभग **1.5 किमी.** दूर स्थित है और अपने **वेटलैंड स्वरूप** के कारण नैनी झील को जल आपूर्ति करती है।
- यह झील वर्ष के केवल तीन महीने पानी से **लबालब भरी** रहती है और शेष समय में सूख जाती है, यही कारण है कि इसे **सूखाताल** कहा जाता है।
- इस झील को पूर्व में **खुदरिया ताल** के नाम से जाना जाता था, क्योंकि झील का सारा पानी नैनीताल झील के सबसे बाहरी क्षेत्र में प्रवाहित कर दिया जाता था।
- वर्ष 1841 में पीटर बैरन द्वारा नैनीताल की खोज के समय झील में अधिकांश समय पानी भरा रहता था और सर्दियों में इसमें **आइस स्केटिंग** भी की जाती थी।
- वर्ष 1992 के बाद झील के आस-पास के अत्यधिक निर्माण और **जलवायु परिवर्तन** के कारण यह अधिकांश समय शुष्क रहती है।
- वर्तमान में झील का **सौंदर्यीकरण** न केवल **पर्यटक आकर्षण** बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि इसके **पारिस्थितिकी संरक्षण** को भी सुदृढ़ करेगा।

NGT ने आसन नदी में कचरे की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने देहरादून नगर निगम से आसन नदी के निकट लेगेसी वेस्ट की निकासी पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह आदेश **नदी के बाढ़ क्षेत्र** में रिसाव (leachate) की संभावनाओं के मद्देनजर जारी किया गया है।

मुख्य बिंदु

◆ आसन नदी के बारे में:

- आसन नदी, जिसे **आसन बैराज धारा** भी कहा जाता है, मसूरी के निकट उद्गमित होती है और दून घाटी से होकर बहती हुई उत्तराखंड-हिमाचल सीमा के पास स्थित **आसन संरक्षण रिज़र्व** में **यमुना नदी** से मिल जाती है।
- यह नदी प्राकृतिक झरनों तथा पहाड़ी धाराओं से पोषित होती है और **पश्चिमी दून के भूजल स्तर** तथा **जैवविविधता** को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- **आसन बैराज (1967)** के निर्माण से एक जलाशय अस्तित्व में आया, जो **सिंचाई, जल विद्युत उत्पादन** (कुल्हाल और खोदरी विद्युत गृह के माध्यम से) तथा **पक्षी आवासों** को आधार प्रदान करता है।
- यही क्षेत्र **आसन वेटलैंड (आसन संरक्षण रिज़र्व)** का निर्माण करता है, जिसे उत्तराखंड का पहला **रामसर स्थल (2020)** घोषित किया गया और जो **रूडी शेल्डक, कॉमन पोचार्ड, यूरेशियन कूट तथा बार-हेडेड गीज़** जैसे **प्रवासी पक्षियों** के लिये प्रमुख आवास-स्थल है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स

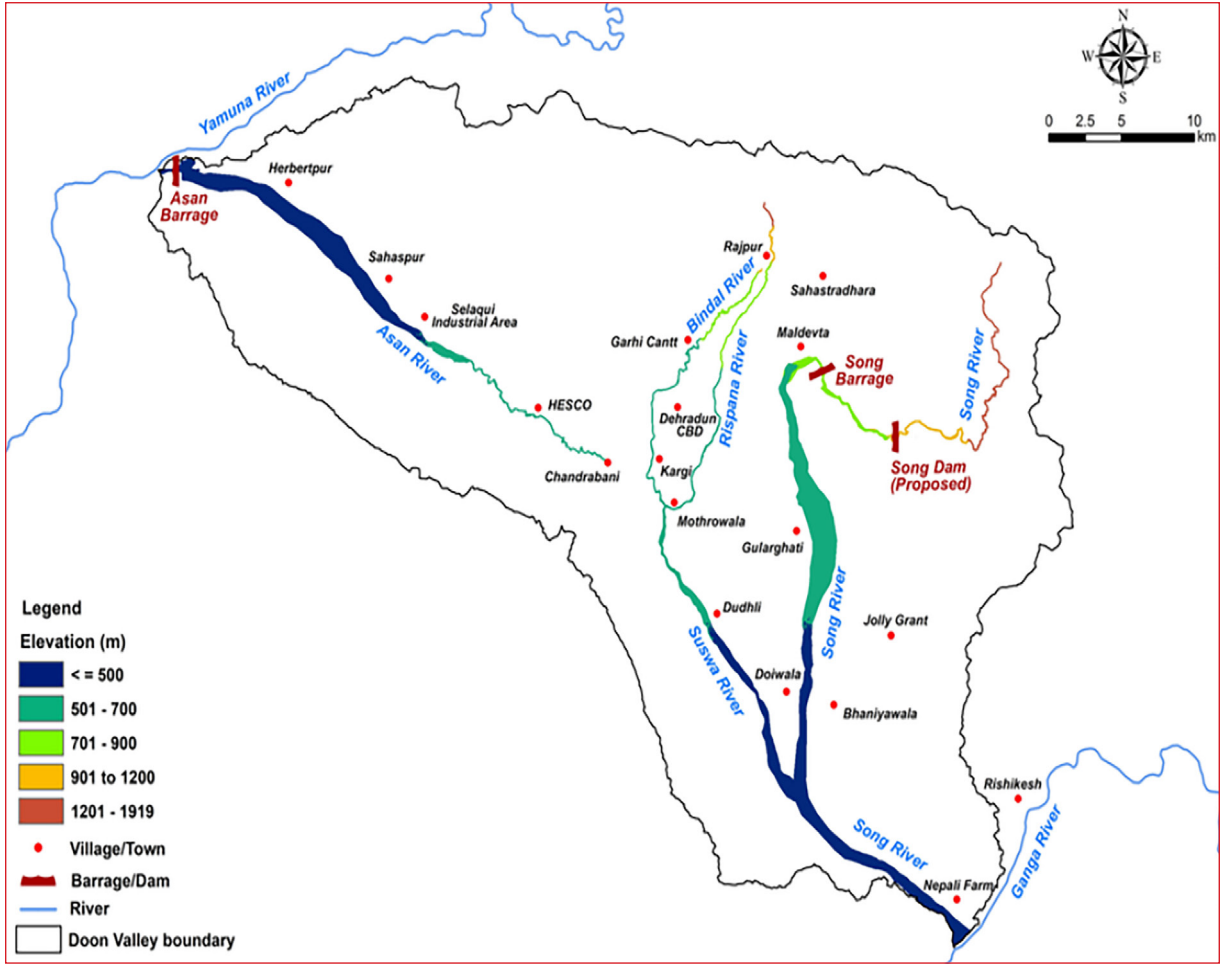


IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप





❖ लेगेसी वेस्ट (Legacy Waste) के बारे में:

- लेगेसी वेस्ट से आशय उन दशकों पुराने ठोस कचरे से है जो नगर-निकायों के डंपसाइट/लैंडफिल में जमा होकर मिश्रित रूप में पड़ा रहता है।
 - इसमें मुख्यतः प्लास्टिक, निर्माण-ध्वंस अवशेष, जैविक पदार्थ, वस्त्र, काँच, धातु तथा अन्य जड़ (inert) पदार्थ सम्मिलित होते हैं।
- ऐसे विशाल कचरा ढेर मीथेन उत्सर्जन, आग लगने की लगातार घटनाएँ, दुर्गंध, भूजल प्रदूषण तथा वाहक-जनित (vector-borne) रोगों के जोखिम उत्पन्न करते हैं।
- लेगेसी वेस्ट के वैज्ञानिक उपचार में बायो-माइनिंग, बायो-रीमेडिएशन या बायो-ट्रीटमेंट-सह-कैपिंग जैसी प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं, जो भूमि की पुनर्प्राप्ति, प्रदूषण में कमी, शहरी सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार और स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के पर्यावरणीय उद्देश्यों की पूर्ति में सहायक होती हैं।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



कफनी ग्लेशियर

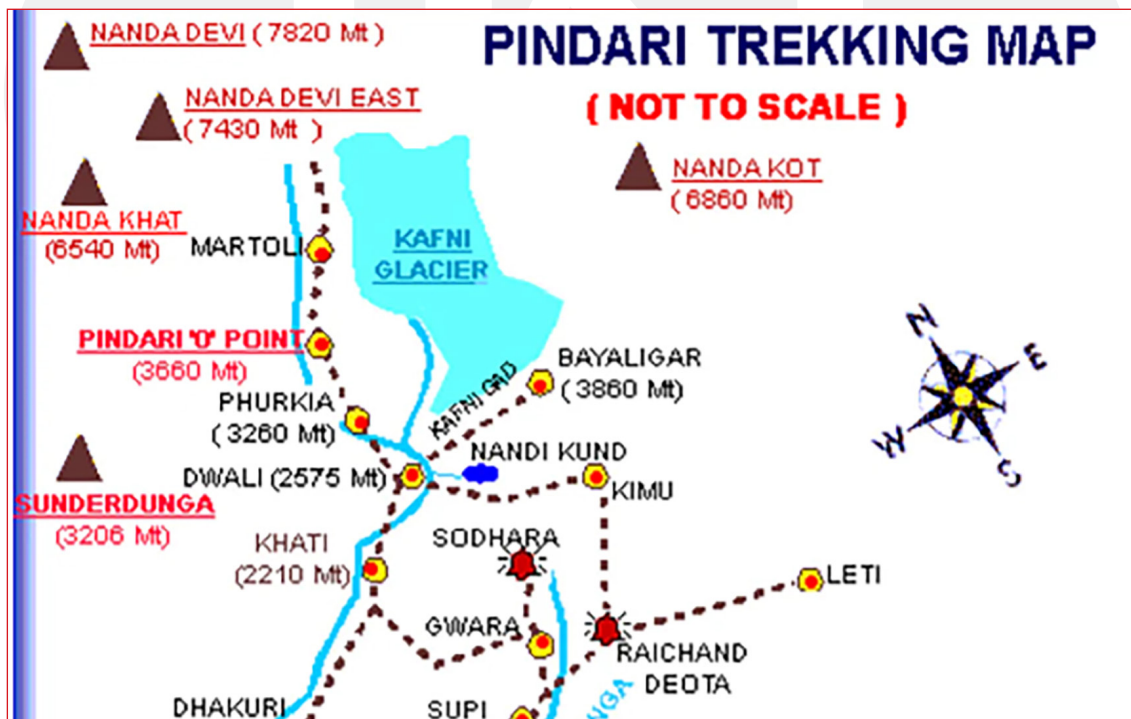
चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के कुमाऊँ क्षेत्र में स्थित **कफनी ग्लेशियर** तक जाने वाला कभी लोकप्रिय रहा ट्रेकिंग मार्ग वर्ष **2013 की विनाशकारी आकस्मिक-बाढ़** के पश्चात परित्यक्त और असुरक्षित स्थिति में है।

मुख्य बिंदु

♦ कफनी ग्लेशियर के बारे में:

- कफनी ग्लेशियर **उत्तराखंड के कुमाऊँ हिमालय** में स्थित है तथा कफनी नदी का प्रमुख हिम-स्रोत है, जो आगे चलकर **पिंडार नदी** में मिलती है।
- इसे हिमालय का एक “छिपा हुआ रत्न” कहा जाता है, क्योंकि यह पिंडारी ग्लेशियर की तुलना में कम भीड़-भाड़ वाला है और एकांत, अल्पाइन घास के मैदान तथा उच्च-ऊँचाई वाले दृश्यों का अनुभव प्रदान करता है।
- कफनी ग्लेशियर के लिये ट्रेकिंग मार्ग **खाती गाँव** (अंतिम आबाद गाँव) से प्रारंभ होकर **द्वाली** के रास्ते ग्लेशियर के **ज़ीरो-पॉइंट** तक जाता था।
- वर्ष **2013 की आकस्मिक बाढ़** में इस मार्ग को गंभीर क्षति पहुँची तथा पुल एवं मार्ग सहित प्रमुख बुनियादी ढाँचा नष्ट हो गया, जिसके कारण पिछले एक दशक से यहाँ पहुँचना लगभग असंभव बना हुआ है।



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



देवभूमि परिवार योजना

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड सरकार ने राज्य के सभी निवासियों के लिये “देवभूमि परिवार योजना” को स्वीकृति प्रदान की।

मुख्य बिंदु

- इस योजना से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों सहित उत्तराखंड के सभी परिवारों का एक व्यापक गतिशील डेटाबेस तैयार होगा।
- प्रत्येक परिवार को एक परिवार पहचान संख्या (Family-ID) दी जाएगी, जो कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी होगी, जिससे नागरिक और सरकार दोनों पात्रता तथा लाभों का अवलोकन कर सकेंगे।
- यह पहल हरियाणा की ‘परिवार पहचान-पत्र’ योजना के अनुरूप है।
- यह डेटाबेस डुप्लिकेट लाभार्थियों की पहचान, आवेदन प्रक्रियाओं का सुव्यवस्थित प्रबंधन, कागजी कार्रवाई में कमी और कागज-रहित शासन की दिशा में सहायता करेगा।
- शहरी परिवार, जिनके पास पहले परिवार रजिस्टर नहीं था, अब इस योजना के अंतर्गत शामिल किये जाएंगे।

नरेंद्र-09 गेहूँ: एक किस्म

चर्चा में क्यों ?

नैनीताल ज़िले (उत्तराखंड) के एक किसान को जलवायु-अनुकूल गेहूँ की किस्म “नरेंद्र-09” विकसित करने और इसे वनस्पति किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 (PPV&FRA) के तहत पंजीकृत कराने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ है।

मुख्य बिंदु

- नरेंद्र-09: परिचय**
 - देवला मल्ला गाँव (नैनीताल) के नरेंद्र सिंह मेहरा ने गेहूँ की किस्म “नरेंद्र-09” को प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली पौधों की किस्मों में से ऑन-फार्म सिलेक्शन के माध्यम से विकसित किया।
 - यह किस्म उच्च ताप-सहिष्णुता प्रदर्शित करती है और प्रति बाल 50-80 दाने उत्पन्न करती है, जबकि पारंपरिक किस्मों में यह संख्या केवल 20-25 दाने होती है। यह पहाड़ी और मैदानी दोनों क्षेत्रों में अच्छी तरह अनुकूलित हो जाती है, कम पानी में भी उग जाती है और जलवायु-दाब (Climate-Stress) की परिस्थितियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करती है।
 - किसान ने इस किस्म को वनस्पति किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम (PPV&FRA), 2001 के तहत पंजीकृत कराया, जिससे उन्हें कानूनी प्रजनक एवं कृषक अधिकार प्राप्त हो गए।
- वनस्पति किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम (PPV&FRA), 2001: परिचय**
 - यह अधिनियम नई विकसित वनस्पति किस्मों की सुरक्षा, किसानों के अधिकारों की मान्यता, और भारत में उन्नत फसल किस्मों के सुधार एवं प्रजनन को बढ़ावा देने के लिये लागू किया गया था।
 - अधिनियम के तहत नई, विद्यमान (Extant), किसानों की विकसित तथा मूल रूप से व्युत्पन्न (Essentially Derived) किस्मों का पंजीकरण संभव है, बशर्ते वे DUS मानदंडों- भिन्नता (Distinctness), समानता (Uniformity) और स्थिरता (Stability) को पूरा करते हों।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- यह अधिनियम प्रजनकों (Breeders) को उनकी पंजीकृत किस्मों के उत्पादन, बिक्री, विपणन, वितरण, आयात तथा निर्यात का विशेष अधिकार प्रदान करता है। किसानों को भी संरक्षित किस्मों के बीजों को सहेजने, उपयोग करने, बोने, दोबारा बोने, अदला-बदली करने और साझा करने का अधिकार है, लेकिन वे इन बीजों को ब्रांडेड रूप में बेच नहीं सकते।
- यह अधिनियम लाभ-साझेदारी (Benefit-Sharing) का प्रावधान भी करता है, प्लांट जीनोम सेवियर अवॉर्ड्स प्रदान करता है और राष्ट्रीय जीन निधि (National Gene Fund) की स्थापना करता है, जिसके माध्यम से उन किसानों और समुदायों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाता है जिन्होंने मूल्यवान आनुवांशिक संसाधनों के संरक्षण या उनके विकास में योगदान दिया है।

पानी बोओ, पानी उगाओ अभियान

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के अल्मोड़ा ज़िले के रसायन विज्ञान शिक्षक मोहन चंद्र कांडपाल राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्राप्त करने वाले राज्य के पहले व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने “जल क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति (उत्तरी क्षेत्र)” श्रेणी में यह पुरस्कार प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- ❖ पानी बोओओ, पानी उगाओ पहल ने बागेश्वर और अल्मोड़ा जिलों में सामुदायिक भागीदारी, विशेष रूप से महिलाओं तथा बच्चों को संगठित किया।
- ❖ यह पहल हिमालयी जिलों में वसंत ऋतु के दौरान झरनों के सूखने, जल-संकट और संकटपूर्ण प्रवासन जैसी गंभीर समस्याओं को संबोधित करती है, जो जलवायु परिवर्तन तथा वनों की कटाई के प्रति संवेदनशील हैं।
- ❖ इसके अंतर्गत 5,000 से अधिक पारंपरिक जल-संग्रहण संरचनाएँ (khals और chaals) निर्मित की गई हैं तथा पहले सूख चुके 27 जल स्रोतों को पुनर्जीवित किया गया है।

राष्ट्रीय जल पुरस्कार

- ❖ राष्ट्रीय जल पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 2018 में जल शक्ति मंत्रालय के तहत जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग द्वारा की गई थी।
- ❖ इसका उद्देश्य संपूर्ण भारत में जल संरक्षण, कुशल जल प्रबंधन और सतत जल संसाधन प्रथाओं में अनुकरणीय कार्य को प्रोत्साहित करना है।
- ❖ पुरस्कार के 6वें संस्करण में, सर्वोत्तम राज्य श्रेणी में महाराष्ट्र को पहला पुरस्कार मिला, उसके बाद गुजरात को दूसरा और हरियाणा को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।
- ❖ सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय (ULB) श्रेणी में नवी मुंबई नगर निगम (महाराष्ट्र) ने जल प्रबंधन में अपने अनुकरणीय कार्य के लिये प्रथम स्थान प्राप्त किया।

बागेश्वर में सोपस्टोन खनन

चर्चा में क्यों ?

सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तराखंड के बागेश्वर ज़िले में कानूनी रूप से अनुमत खनन गतिविधियों को पुनः शुरू करने की अनुमति दी है, क्योंकि वैध पट्टा और पर्यावरणीय मंजूरी होने पर उच्च न्यायालय सभी खनन गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगा सकता।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- ❖ उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने फरवरी, 2025 में पर्यावरणीय क्षति का हवाला देते हुए जिलों में खनन गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था।

मुख्य बिंदु

- ❖ बागेश्वर में खनन:
 - ❶ बागेश्वर में सोपस्टोन खनन एक प्रमुख आर्थिक गतिविधि है, जो सैकड़ों स्थानीय लोगों के लिये रोज़गार सृजित करता है तथा क्षेत्रीय टैल्क प्रसंस्करण इकाइयों को समर्थन प्रदान करता है।
 - ❷ सोपस्टोन (टैल्क) खनन कांडा, कपकोट और विजयपुर जैसे क्षेत्रों में केंद्रित है, जहाँ उत्तराखंड के सबसे समृद्ध टैल्क भंडार मौजूद हैं।
 - ❸ आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले 5 वर्षों में बागेश्वर की खानों से लगभग 18 लाख टन सोपस्टोन निकाला गया है।
 - ❹ अत्यधिक खनन के कारण भूमि क्षरण, ढलान अस्थिरता और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है।
 - ❺ भारी ट्रकों की आवाजाही के कारण नदी के किनारों और गाँव की सड़कों को नुकसान पहुँचा है।
- ❖ सोपस्टोन:
 - ❶ सोपस्टोन एक नरम रूपांतरित चट्टान है, जो क्लोराइट, डोलोमाइट और मैग्नेसाइट की अलग-अलग मात्रा के साथ टैल्क से निर्मित होती है।
 - ❷ इसका उपयोग सिरेमिक, सौंदर्य प्रसाधन, फार्मास्यूटिकल्स, कागज, खाद्य प्रसंस्करण, पेंट और विद्युत इन्सुलेटर में किया जाता है।
 - ❸ प्रमुख उत्पादक राज्य में राजस्थान (सबसे बड़ा), उत्तराखंड, कर्नाटक और तमिलनाडु शामिल हैं।
 - ❹ उत्तराखंड का निक्षेप मुख्यतः बागेश्वर, पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा जिले में स्थित है।

मंगसीर बगवाल

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र के पर्वतीय गाँव दीवाली के बाद मनाए जाने वाले लोक उत्सव मंगसीर बगवाल का उत्सवपूर्वक आयोजन कर रहे हैं, जो कृषि-चक्र और स्थानीय इतिहास पर आधारित है।

मुख्य बिंदु

- ❖ मंगसीर बगवाल कार्तिक दिवाली के लगभग एक महीने बाद मंगसीर (मार्गशीर्ष) माह में मनाया जाता है, जो पर्वतीय क्षेत्रों में प्रकाश-उत्सव के विलंबित आयोजन का द्योतक है।
- ❖ यह पर्व गढ़वाली सेनापति माधो सिंह भंडारी की तिब्बती सेना पर विजय के उपरांत उनके घर-वापसी के ऐतिहासिक प्रसंग का स्मरण करता है, जिसके फलस्वरूप समुदाय ने दीपोत्सव को एक माह पश्चात मनाने की परंपरा शुरू की।
- ❖ यह समय शीत ऋतु की फसल-कटाई पूर्ण होने का होता है, जब कृषि कार्य न्यूनतम हो जाता है तथा समुदाय सामूहिक भोज, संगीत और नृत्य हेतु एकत्र होता है।
- ❖ अनुष्ठानों में रासो, तांदी जैसे लोकनृत्य, ढोल-दमाऊँ पर प्रदर्शन तथा चौथे दिन ('भांड') स्थानीय घास की मोटी रस्सी बनाकर गाँव के चौक में लपेटने की विशिष्ट रस्म सम्मिलित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- ❖ यह त्योहार **कृषि-पशुपालन जीवन-शैली**, सामाजिक एकजुटता, अनुष्ठानिक शुद्धि और शीत ऋतु की तैयारी का द्योतक है।
- ❖ यह पर्व **लोक-कला**, स्थानीय बोली, परंपरागत रीति-रिवाजों तथा **अमूर्त सांस्कृतिक विरासत** के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ शहरी प्रवास के कारण सांस्कृतिक अवनयन की चुनौती बढ़ रही है।

माधो सिंह भंडारी

- ❖ **माधो सिंह भंडारी** (17वीं शताब्दी) गढ़वाल साम्राज्य के एक प्रसिद्ध सेनापति थे, जो अपनी **रणनीतिक क्षमता** और **साहस** के लिये विख्यात थे।
- ❖ इन्हें ऐतिहासिक **भंडारी खाल नहर** के निर्माण हेतु विशेष रूप से याद किया जाता है, जो पर्वतीय भूभाग में एक महत्वपूर्ण **सिंचाई नवाचार** था, जिसने **सिंचाई और ग्रामीण कृषि को बढ़ावा दिया**।
- ❖ लोक कथाओं में उन्हें गढ़वाल की सीमाओं की आक्रमणकारी ताकतों से रक्षा करने का श्रेय दिया जाता है, जिससे वे उत्तराखंड में **साहस, बलिदान और सैन्य कौशल** के प्रतीक बन गए।

भारत में गंगा नदी बेसिन का पहला डिजिटल प्रतिरूप

चर्चा में क्यों ?

IIT दिल्ली ने **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG)** के सहयोग से भारत में **गंगा नदी बेसिन** का प्रथम डिजिटल प्रतिरूप (Digital Twin), जो एक उच्च परिशुद्धता वाली आभासी प्रतिकृति है, विकसित करने हेतु कार्य प्रारंभ कर दिया है।

मुख्य बिंदु

- ❖ **परियोजना के बारे में:**
 - ❶ IIT दिल्ली संपूर्ण गंगा बेसिन का एक **डिजिटल ट्विन मॉडल** तैयार करेगा, जो एक वास्तविक-समय, डेटा-आधारित वर्चुअल सिमुलेशन होगा, जिसमें **यमुना, कोसी, घाघरा, गंडक तथा सोन** जैसी प्रमुख उपनदियों को भी शामिल किया जाएगा।
 - ❷ यह मॉडल जल विज्ञान, प्रदूषण भार, नदी की आकृति-विज्ञान, भूमि-उपयोग, भूजल परस्पर क्रिया तथा जलवायु प्रभावों को एकीकृत करेगा तथा बेसिन का सतत् 3D डिजिटल प्रतिरूप उपलब्ध कराएगा।
 - ❸ यह प्रणाली रिमोट सेंसिंग, **GIS, IoT सेंसर, उपग्रह-डेटा, मशीन लर्निंग** तथा नदी-प्रवाह **मॉनिटरिंग** का उपयोग कर पर्यावरणीय परिवर्तनों तथा आपदा परिदृश्यों का पूर्वानुमान प्रदान करेगी।
- ❖ **लाभ:**
 - ❶ उत्तराखंड तथा सिंधु-गंगा के मैदानों के लिये बाढ़ पूर्वानुमान को बेहतर बनाएगा, जिसमें **निर्वहन, वर्षा-पैटर्न तथा हिमनद-गलन प्रतिरूप** सम्मिलित होगा।
 - ❷ वास्तविक-समय में **प्रदूषण मॉनिटरिंग** सक्षम होगी ताकि **बिंदु-स्रोत निर्वहन, औद्योगिक अपशिष्ट, सीवेज लोड तथा मौसमी परिवर्तन** का पता लगाया जा सके।
 - ❸ नदी-सफाई, नदी प्रबंधन, **आर्द्रभूमि संरक्षण** और **जैवविविधता** मूल्यांकन सहित नमामि गंगे हस्तक्षेपों के लिये वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।
 - ❹ नदी तल पर **अवैध गतिविधियों, रेत खनन स्थलों** और अतिक्रमणों की पहचान करने में सहायता प्रदान करेगा।
 - ❺ शहरी नियोजन, सीवेज-बुनियादी ढाँचे, जलाशय संचालन और जलवायु अनुकूलन में राज्यों को समर्थन प्रदान करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



◆ डिजिटल प्रतिरूप के बारे में:

- ◆ डिजिटल प्रतिरूप एक भौतिक प्रणाली (जैसे- नदी, शहर, मशीन या पारिस्थितिकी तंत्र) की आभासी, रियल टाइम डिजिटल प्रतिकृति है।
- ◆ यह लाइव डेटा का उपयोग करके लगातार अद्यतन करता है, जिससे सिमुलेशन, भविष्यवाणी और निर्णय लेने में सुविधा होती है।
- ◆ इसके अनुप्रयोग स्मार्ट शहर, सिंचाई, परिवहन नेटवर्क, नदी प्रबंधन, जलवायु मॉडलिंग और अवसंरचना योजना जैसे क्षेत्रों में व्यापक हैं।

राष्ट्रीय भूकंपीय जोखिम मानचित्र

चर्चा में क्यों ?

भारतीय मानक ब्यूरो ने अद्यतन राष्ट्रीय भूकंपीय जोखिम मानचित्र जारी किया है, जिसमें संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र को नव-निर्मित उच्चतम जोखिम जोन VI में रखा गया है, जो इसकी अत्यधिक विवर्तनिक संवेदनशीलता को दर्शाता है तथा राष्ट्रीय भूकंप-जोखिम मूल्यांकन में महत्वपूर्ण संशोधन करता है।

मुख्य बिंदु

- ◆ नवीन मानचित्र संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर से अरुणाचल प्रदेश तक) को जोन VI में वर्गीकृत करता है, जो हिमालयी फ्रंटल थ्रस्ट पर लगातार बने रहने वाले टेक्टोनिक दबाव के कारण उच्चतम भूकंपीय जोखिम वाला क्षेत्र है।
- ◆ भारत का लगभग 61% भूभाग अब मध्यम से उच्च भूकंपीय जोखिम वाले जोन के रूप में वर्गीकृत है, जिसके लिये अद्यतन भवन संहिता (building codes), सख्त भूमि-उपयोग मानदंड (land-use norms) और अनिवार्य संरचनात्मक सुरक्षा अनुपालन (structural safety compliance) की आवश्यकता है।
- ◆ अद्यतन क्षेत्रीकरण (zonation) में संभाव्य भूकंपीय जोखिम मॉडलिंग का उपयोग किया गया है, जिसमें सक्रिय भ्रंश, विदारण व्यवहार (rupture behaviour) और तनाव संचय (strain accumulation) पर नए डेटा को शामिल किया गया है तथा पुराने नियतात्मक मानचित्रों का स्थान लिया गया है।
- ◆ संशोधित मानचित्र के तहत, दो जोखिम श्रेणियों के बीच की सीमा पर स्थित किसी भी शहर को उच्च जोखिम वाले जोन (higher-risk zone) में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।
- ◆ भूकंपीय जोखिम न केवल पहाड़ी राज्यों में बल्कि हिमालय से सटे मैदानी इलाकों में भी बढ़ गया है, जिनमें उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, सिक्किम, पूर्वोत्तर, बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली NCR के के भाग शामिल हैं।

भारत में भूकंपीय जोन

- ◆ भारत के पूर्व वर्गीकरण में जोन II, III, IV, V थे - जिसमें जोन V सबसे अधिक जोखिम वाला क्षेत्र था।
- ◆ हिमालय विश्व के सबसे सक्रिय टकराव क्षेत्रों (collision zones) में से एक है, जो भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के अभिसरण (~5 सेमी/वर्ष) के कारण निर्मित हुआ है।
- ◆ प्रमुख ऐतिहासिक भूकंप: कांगड़ा (1905), बिहार-नेपाल (1934), असम (1950), कश्मीर (2005), सिक्किम (2011), नेपाल (2015) हैं।
- ◆ IS 1893, IS 4326 और राष्ट्रीय भवन संहिता (NBC) भूकंपीय सुरक्षा को नियंत्रित करते हैं; नवीन मानचित्र के लागू होने पर व्यापक संशोधन की आवश्यकता होगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



भागीरथी नदी में गाद स्तर में वृद्धि

चर्चा में क्यों ?

उत्तरकाशी (उत्तराखंड) में भागीरथी नदी में खतरनाक स्तर पर बालू एवं तलछट का संचयन हो रहा है, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि खुदाई पर प्रतिबंध से बाढ़ का खतरा बढ़ गया है और नदी तट अस्थिर हो गए हैं, जिससे शहर की अवसंरचना पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

मुख्य बिंदु

❖ मुद्दे के बारे में:

- राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने वर्ष 2012 में भागीरथी में खुदाई/उत्खनन पर प्रतिबंध लगा दिया था, ताकि नदी की पारिस्थितिकी संवेदनशीलता की सुरक्षा की जा सके, क्योंकि यह भागीरथी पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र (ESZ) के अंतर्गत आती है।
- अधिकारियों के अनुसार लगातार तलछट जमा होने से नदी का जलस्तर बढ़ गया है, विशेषकर उत्तरकाशी जिला मुख्यालय के पास, जिससे जल वहन क्षमता घट गई है।
- नदी तल ऊँचा होने के कारण अचानक बाढ़, तट कटाव और मानसून में अतिप्रवाह की संभावना बढ़ जाती है, जिससे नदी के निकट स्थित घर, बाजार तथा सरकारी भवनों को खतरा हो सकता है।
- राज्य सरकार एक प्रस्ताव तैयार कर रही है, जिसमें NGT से अनुरोध किया जाएगा कि अन्य हिमालयी राज्यों की बाढ़-प्रवण नदियों की तरह वैज्ञानिक तरीके से बालू और तलछट निकालने की अनुमति दी जाए।

❖ भागीरथी नदी के बारे में:

- भागीरथी गंगा की दो प्रमुख धाराओं में से एक है और यह गंगोत्री (उत्तराखंड) के गौमुख ग्लेशियर से निकलती है।
- यह गंगोत्री-हर्षिल-उत्तरकाशी-टिहरी मार्ग से बहकर देवप्रयाग में अलकनंदा से मिलती है और गंगा का निर्माण करती है।
- यह गंगोत्री - हर्षिल - उत्तरकाशी - टिहरी से प्रवाहित होती हुई देवप्रयाग में अलकनंदा में मिल जाती है, जहाँ ये दोनों मिलकर गंगा का निर्माण करती हैं।
- गौमुख से उत्तरकाशी तक का क्षेत्र संवेदनशील हिमालयी पारिस्थितिकी का हिस्सा है और जल विद्युत, खनन तथा निर्माण गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिये वर्ष 2012 में इसे इको-सेंसिटिव जोन (ESZ) के रूप में अधिसूचित किया गया।
- यह क्षेत्र तीव्र ढाल, उच्च तलछट भार और भूस्खलन, बादल फटने तथा हिमनद पिघलने के प्रति संवेदनशील है, जिससे नदी तल की ऊँचाई बाढ़ जोखिम का महत्वपूर्ण कारण बनती है।

उत्तराखंड में पुनर्स्थापन हेतु बंजर भूमि चिह्नित

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड वन विभाग ने पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन के लिये 30,000 हेक्टेयर बंजर वन भूमि को चिह्नित किया है तथा इस पहल को राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं और RECAP4NDC परियोजना से जोड़ा गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मुख्य बिंदु

पुनर्स्थापना अभियान के बारे में:

- वन विभाग ने 30,000 हेक्टेयर बंजर वन भूमि का मानचित्रण किया है, जो पौड़ी, टिहरी, अल्मोड़ा, चंपावत, पिथौरागढ़ तथा कुमाऊँ में स्थित है, जहाँ चराई दबाव, बारंबार वनाग्नि, आक्रामक प्रजातियों तथा **मृदा अपरदन** के कारण वन गुणवत्ता में उल्लेखनीय गिरावट आई है।
- पुनर्स्थापन योजना में सहायक प्राकृतिक पुनर्जनन (ANR), **वृक्षारोपण**, मृदा-आर्द्रता संरक्षण संरचनाएँ तथा लैंडाना और **पार्थेनियम** जैसी आक्रामक प्रजातियों को हटाने की गतिविधियाँ शामिल होंगी।
- प्राथमिकता वाले स्थलों में रिज क्षेत्र, **जलग्रहण क्षेत्र** तथा **वन्यजीव गलियारे** शामिल हैं, विशेष रूप से वे क्षेत्र जो **गंगा और यमुना नदी घाटियों** को प्रभावित करते हैं।
- यह कार्यक्रम भारत की **UNFCCC बॉन चैलेंज** के तहत की गई प्रतिबद्धता को पूरा करने में योगदान देता है, जिसके अंतर्गत भारत ने वर्ष 2030 तक **2.6 करोड़ हेक्टेयर बंजर भूमि** के पुनर्स्थापन का लक्ष्य रखा है।
- उत्तराखण्ड उन राज्यों में शामिल है, जो **LiDAR-आधारित वन मानचित्रण** को पायलट रूप में लागू कर रहे हैं, जिसके माध्यम से **3D भू-आकृति और वनस्पति डेटा** का उपयोग कर बंजर परिदृश्य क्षेत्रों की पहचान की जा रही है।

RECAP4NDC परियोजना:

- RECAP4NDC (Restoring, Conserving and Protecting Forest & Tree Cover for NDC Implementation)** एक राष्ट्रीय जलवायु-वानिकी कार्यक्रम है, जो भारत के वन पुनर्स्थापन लक्ष्यों को समर्थन प्रदान करता है।
- यह भारत को अपने NDC लक्ष्य की पूर्ति में सहायता करता है, जिसके अंतर्गत अतिरिक्त **2.5-3 बिलियन टन CO₂-समतुल्य कार्बन सिंक** का सृजन, विस्तारित वन और वृक्ष आवरण के माध्यम से किया जाना है।
- यह MoEFCC द्वारा **GIZ India** (जर्मन सरकार के स्वामित्व वाली संस्था) के सहयोग से **भारत-जर्मनी विकास सहयोग** के अंतर्गत कार्यान्वित किया जाता है।
- इसके प्रमुख कार्यक्षेत्रों में **लैंडस्केप पुनर्स्थापन योजना**, सामुदायिक आधारित वन प्रबंधन, एग्रोफॉरेस्ट्री का संवर्द्धन, सहायक प्राकृतिक पुनर्जनन तथा **पारिस्थितिकी-आधारित पुनर्स्थापन** शामिल हैं।

देहरादून का पहला ग्रे स्मार्ट टॉयलेट

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड ने **वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों** के लिये विशेष रूप से विकसित किये गए अपने पहले ग्रे स्मार्ट टॉयलेट का उद्घाटन किया है, जिससे देहरादून में एक सुलभ, तकनीकी-सक्षम स्वच्छता इकाई की शुरुआत हुई है।

मुख्य बिंदु

- ग्रे स्मार्ट टॉयलेट** देहरादून के **प्रेम नगर** क्षेत्र में स्थापित किया गया है, जो राज्य की पहली वरिष्ठ नागरिक-केंद्रित स्वच्छता सुविधा है।
- टॉयलेट में सेंसर आधारित **स्वचालित सुविधाएँ**, **व्हीलचेयर अनुकूलित रैंप**, सहायक **ग्रैब बार**, **फिसलन रोधी फर्श** और **कम ऊँचाई वाले उपकरण** लगे हुए हैं, ताकि बुजुर्गों की सुरक्षा तथा सुविधा सुनिश्चित की जा सके।
- इसमें **IoT-आधारित मॉनिटरिंग**, **स्वचालित फ्लशिंग**, **जल-स्तर सेंसर** और **रखरखाव अलर्ट** के लिये **ऐप-लिंकड डैशबोर्ड** भी शामिल है, जिससे **मैनुअल पर्यवेक्षण** कम हो जाता है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- ❖ इस संरचना में पूर्व-निर्मित, मौसम-प्रतिरोधी सामग्री का उपयोग किया गया है, जो पहाड़ी क्षेत्रों में स्थायित्व सुनिश्चित करते हुए स्थापना और गतिशीलता में सुगमता बनाए रखती है।
- ❖ जन-कल्याण पहल के तहत निर्मित इस परियोजना का उद्देश्य सम्मानजनक और सुलभ स्वच्छता को बढ़ावा देना है, जो कि उत्तराखंड के जन-अनुकूल शहरी तथा ग्रामीण बुनियादी ढाँचे के लिये प्रयास के अनुरूप है।
- ❖ इस मॉडल को राज्य के लोकप्रिय तीर्थ यात्रियों और पर्यटन सर्किटों, जैसे- चार धाम मार्गों पर भी लागू किये जाने की संभावना है, जहाँ वरिष्ठ नागरिकों का आगमन उल्लेखनीय रूप से अधिक रहता है।

सूर्यकिरण अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत-नेपाल संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 19वाँ संस्करण 25 नवंबर, 2025 को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में प्रारंभ हुआ।

मुख्य बिंदु

- ❖ सूर्यकिरण अभ्यास के बारे में:
 - ☉ सूर्यकिरण अभ्यास भारतीय सेना और नेपाली सेना के बीच एक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है, जो प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है तथा इसकी मेज़बानी का दायित्व दोनों देशों के बीच बारी-बारी से होता है।
 - ☉ इसका उद्देश्य अंतर-संचालनीयता को बढ़ाना, सैन्य कूटनीति को मजबूत करना और भारत-नेपाल रक्षा सहयोग में वृद्धि करना है।
 - ☉ यह अभ्यास मुख्यतः सशस्त्र विद्रोह निवारण, आतंकवाद निवारण तथा दोनों सेनाओं के लिये समान वन/पहाड़ी युद्ध क्षेत्र पर केंद्रित है।
 - ☉ यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के अंतर्गत आयोजित किया जाता है, जो शांति बनाए रखने, शांति के उल्लंघनों और आतंकवाद निवारण परिदृश्यों से संबंधित दायित्वों को संबोधित करता है।
- ❖ वर्ष 2025 का संस्करण:
 - ☉ यह संस्करण 25 नवंबर से 8 दिसंबर, 2025 तक उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में आयोजित किया जा रहा है।
 - ☉ भारतीय दल में 334 कार्मिक शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश असम रेजिमेंट से हैं, जबकि नेपाली दल में भी 334 कार्मिक शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश देवी दत्त रेजिमेंट से हैं।
 - ☉ इस संस्करण में विशिष्ट और उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है, जैसे:
 - ❏ मानव रहित हवाई प्रणाली (UAS)
 - ❏ ड्रोन आधारित ISR (इंटेलिजेंस, सर्विलांस एवं रीकॉन्सेस)
 - ❏ AI-सक्षम निर्णय-सहायक उपकरण
 - ❏ मानव रहित लॉजिस्टिक वाहन
 - ❏ सैनिक सुरक्षा प्लेटफॉर्म



दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य पालन गणना 2025 प्रारंभ

चर्चा में क्यों ?

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने **ICAR**-केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (CMFRI), कोच्चि में राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य गणना (MFC) 2025 का शुभारंभ किया।

- यह भारत की पहली पूर्णतः डिजिटाइज्ड मत्स्य गणना है, जो डेटा-आधारित और प्रौद्योगिकी-सक्षम समुद्री शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

मुख्य बिंदु

- गणना के बारे में:
 - राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य गणना 2025 एक 45-दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान है, जिसका उद्देश्य भारत के समुद्री मत्स्य क्षेत्र से संबंधित व्यापक आँकड़ों का संकलन करना है।
 - यह गणना 9 तटीय राज्यों और 4 केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित लगभग 4,000 समुद्री मत्स्य ग्रामों के 12 लाख मत्स्य-गृहों (fisher households) को कवर करेगी।
 - गणना की अवधि 3 नवंबर से 18 दिसंबर, 2025 तक निर्धारित की गई है।
 - इस पहल का समन्वय मत्स्य विभाग (DoF), मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसमें केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (CMFRI) नोडल एजेंसी तथा **फिशरी सर्वे ऑफ इंडिया (FSI)** संचालन सहयोगी के रूप में कार्य कर रही हैं।
- उद्देश्य:
 - समुद्री मत्स्य समुदायों, अवसंरचना एवं सामाजिक-आर्थिक संकेतकों का एक व्यापक डिजिटल डाटाबेस तैयार करना।
 - सत्यापित डिजिटल डेटा के माध्यम से मत्स्य प्रबंधन का आधुनिकीकरण तथा कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार करना।
 - सभी मत्स्य-समुदायों को राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म (NFDP) से जोड़ना, ताकि सरकारी योजनाओं तक पहुँच को सुगम बनाया जा सके।
 - प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (PM-MKSSY)** तथा **प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY)** के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना।
- डिजिटल प्रमाणित और रियल-टाइम डेटा संग्रह प्रणाली:
 - पहली बार यह गणना पूर्णतः डिजिटल पद्धति से की जा रही है, जिसमें CMFRI द्वारा विकसित दो विशेष मोबाइल अनुप्रयोगों (Apps) का उपयोग किया जा रहा है, जिससे सटीकता, पारदर्शिता एवं कार्यकुशलता सुनिश्चित की जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मोबाइल उपकरण	वास्तविक कार्य	प्रभाव पर प्रभाव
व्यास भारत (VyAS Bharat)	डेटा अध्ययन और जियो-रेफरेंसिंग	12 लाख मत्स्य-गृहों से सामाजिक-आर्थिक डेटा और प्रमुख आँकड़ों को क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा उपयोग किया जाता है। प्रत्येक डेटा प्रविष्टि को भू-संदर्भित (geo-referenced) के माध्यम से एक विशिष्ट स्थान से जोड़ा जाता है।
व्यास सूत्र (VyAS Sutra)	सत्यापन और पर्यवेक्षण	यह क्षेत्रीय डेटा के त्वरित सत्यापन की सुविधा प्रदान करता है तथा देशभर में गणना की प्रगति की रियल-टाइम मॉनिटरिंग हेतु एक केंद्रीकृत डिजिटल मंच उपलब्ध कराता है।

LVM3-M5 प्रक्षेपण: ISRO ने भारत के सबसे भारी संचार उपग्रह 'GSAT-7R' का सफल प्रक्षेपण किया

चर्चा में क्यों ?

भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं में 2 नवंबर, 2025 को एक बड़ा उन्नयन हुआ, जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने श्रीहरिकोटा से अपने भारी प्रक्षेपण यान LVM3-M5 (जिसे लोकप्रिय रूप से 'बाहुबली' कहा जाता है) के माध्यम से भारतीय नौसेना के लिये अगली पीढ़ी के संचार उपग्रह GSAT-7R का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया।

मुख्य बिंदु

GSAT-7R: परिचय

- इसे विशेष रूप से भारतीय नौसेना के लिये तैयार किया गया है ताकि उसकी समुद्री संचार और कमांड अवसंरचना को आधुनिक बनाया जा सके।
- पूर्णतः स्वदेशी उपग्रह है, जिसमें मल्टी-बैंड ट्रांसपोंडर लगे हैं जो सतह, जलमग्न और हवाई नौसैनिक संसाधनों के बीच आवाज़, वीडियो और डेटा संचार को सक्षम बनाते हैं।
- पूरे हिंद महासागर क्षेत्र (Indian Ocean Region- IOR) में अबाधित और एन्क्रिप्टेड (सुरक्षित) कनेक्टिविटी प्रदान करता है।
- यह रियल-टाइम सिचुएशनल अवेयरनेस को बढ़ाता है, जिससे जहाज़ों, पनडुब्बियों, एयरक्राफ्ट और कमांड सेंटर्स के बीच जॉइंट कोऑर्डिनेशन हो पाता है।
- भारत की समुद्री क्षेत्र जागरूकता प्रणाली (Maritime Domain Awareness Grid) में एक फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में कार्य करता है, जो अभियानों के दौरान सुरक्षित और सशक्त संचार सुनिश्चित करता है।

प्रक्षेपण यान- LVM3-M5 ('बाहुबली')

- यह भारत का सबसे भारी परिचालन रॉकेट है, जिसे पहले GSLV Mk-III के नाम से जाना जाता था।
- पेलोड क्षमता:
 - जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) तक 4,000 किलोग्राम।
 - लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) तक 8,000 किलोग्राम।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- ❖ **संरचना (Configuration):** यह तीन चरणों वाला प्रक्षेपण यान है, जिसमें शामिल हैं-
 - ❶ लिफ्टऑफ़ थ्रस्ट के लिये S200 सॉलिड स्ट्रैप-ऑन बूस्टर।
 - ❷ ट्विन विकास इंजन द्वारा संचालित L110 लिक्विड कोर स्टेज।
 - ❸ C25 क्रायोजेनिक अपर स्टेज - पूरी तरह से भारत में विकसित।
- ❖ यह गगनयान ह्यूमन स्पेसफ्लाइट मिशन के लिये बेसलाइन लॉन्चर के तौर पर कार्य करता है, जहाँ इसके मॉडिफाईड वर्जन को ह्यूमन-रेटेड LVM3 (HRLV) कहा जाता है।
- ❖ उपनाम 'बाहुबली' इसकी विशाल उठाने की शक्ति और मिशनों में निरंतर विश्वसनीयता को दर्शाता है।

विकास पृष्ठभूमि

- ❖ M5 मिशन LVM3 सीरीज में पाँचवीं सफल उड़ान है, जो इस वाहन के साथ ISRO की शानदार सफलता की कड़ी को जारी रखता है।
- ❖ यह नौसेना के लिये GSAT-7 (रुक्मिणी) और वायु सेना के लिये GSAT-7A जैसे पहले के उपग्रहों के बाद आया है, जो भारत की रक्षा संचार क्षमताओं का विस्तार करता है।

त्रि-सेवा सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल 2025'

चर्चा में क्यों ?

त्रि-सेवा संयुक्त सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल 2025' का आरंभ 3 नवंबर, 2025 से होने जा रहा है। यह अभ्यास भारतीय नौसेना के नेतृत्व में आयोजित होगा, जिसमें थल सेना, वायु सेना और समुद्री घटक शामिल होंगे। अभ्यास का क्षेत्र गुजरात और राजस्थान के सिर क्रीक एवं रेगिस्तानी क्षेत्रों से लेकर उत्तर अरब सागर तक विस्तारित रहेगा।

मुख्य विवरण

- ❖ यह व्यापक पैमाने पर आयोजित अभ्यास भारतीय नौसेना के नेतृत्व में और पश्चिमी नौसेना कमान के समन्वय में किया जा रहा है।
- ❖ इसमें थल सेना की दक्षिणी कमान, नौसेना की पश्चिमी कमान तथा भारतीय वायु सेना की दक्षिण-पश्चिमी कमान सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं।
- ❖ **अभ्यास का उद्देश्य:**
 - ❶ संयुक्त संचालन प्रक्रियाओं का सत्यापन करना।
 - ❷ तीनों सेनाओं के बीच अंतरसंचालन क्षमता (Interoperability) को सुदृढ़ बनाना।
 - ❸ बहु-क्षेत्रीय अभियानों (Multi-Domain Operations) के लिये नेटवर्क आधारित कमांड एकीकरण को मजबूत करना।

सिर क्रीक

- ❖ **स्थान:** यह एक दलदली मुहाना क्षेत्र है जो कच्छ (गुजरात, भारत) और सिंध (पाकिस्तान) के बीच स्थित है, जहाँ कच्छ का रण अरब सागर से मिलता है।
- ❖ **लंबाई:** लगभग 96 किलोमीटर लंबी ज्वारीय क्रीक।
- ❖ **विवाद:** यह भारत-पाकिस्तान सीमा विवाद का हिस्सा है, भारत इसे मध्य जलधारा (Mid-Channel) तक अपनी सीमा मानता है, जबकि पाकिस्तान पूर्वी तट (Eastern Bank) को सीमा रेखा मानता है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



रणनीतिक महत्व:

- यह क्षेत्र एक संवेदनशील तटीय सुरक्षा क्षेत्र तथा रणनीतिक समुद्री सीमा के रूप में कार्य करता है।
- पश्चिमी नौसेना कमान के अंतर्गत नौसैनिक और तटीय निगरानी के लिये अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- समुद्री संसाधनों से समृद्ध: यह क्षेत्र मछली पालन और अन्य समुद्री संसाधनों से भरपूर है, जिससे संभावित विशेष आर्थिक क्षेत्र (Exclusive Economic Zone- EEZ) संबंधी दावे उत्पन्न हो सकते हैं।
- पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण: सिर क्रीक सिंधु डेल्टा पारिस्थितिकी तंत्र (Indus Delta Ecosystem) का हिस्सा है, जो जैवविविधता संरक्षण और तटीय पर्यावरणीय संतुलन के लिये अत्यंत आवश्यक है।

पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों में दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस (IDEI) 2025

चर्चा में क्यों ?

2 नवंबर, 2025 को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) के तत्वाधान में पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों में दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस (International Day to End Impunity for Crimes Against Journalists- IDEI) मनाया जा रहा है। इस वर्ष का विशेष फोकस विषय है “महिला पत्रकारों के विरुद्ध AI-सक्षम लैंगिक आधारित हिंसा” (AI-facilitated Gender-Based Violence against Women Journalists)।

- यह अभियान इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) किस प्रकार मीडिया में कार्यरत महिलाओं के विरुद्ध नए प्रकार के उत्पीड़न और उनकी आवाज़ दबाने के तरीकों को सक्षम बना रही है।

मुख्य बिंदु

- यह दिवस संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2013 में स्थापित किया गया था, जब फ्रांसीसी पत्रकार गिस्लेन ड्यूपोंट (Ghislaine Dupont) और क्लॉड वर्लोन (Claude Verlon) की माली में हत्या की गई थी।
- यूनेस्को का अभियान: संगठन ने “CTRL + ALT + MUTE” नामक जन-जागरूकता पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य महिला पत्रकारों के समक्ष मौजूद खतरों को उजागर करना और दंडमुक्ति तथा डिजिटल हिंसा के विरुद्ध वैश्विक कार्रवाई को प्रोत्साहित करना है।
- 2025 की थीम: इस वर्ष का फोकस “AI-सक्षम लैंगिक आधारित हिंसा” पर है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि डीपफेक्स, डॉक्सिंग और संगठित ऑनलाइन ट्रोलिंग जैसे दुरुपयोग के रूप महिला पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिये गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं।
- वैश्विक आँकड़े: वर्ष 2006 से 2024 के बीच विश्वभर में 1,700 से अधिक पत्रकारों की हत्या हुई है, जिनमें से लगभग 10 में से 9 मामलों में न्याय नहीं मिल पाया है।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)

- स्थापना: 1945 (संविधान 1946 में प्रभावी हुआ)
- मुख्यालय: पेरिस, फ्रांस
- मंडेट (Mandate): शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और संचार के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना, ताकि शांति, सतत विकास तथा मानवाधिकारों को विश्वभर में सशक्त किया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मुख्य कार्य:

- अपने कार्यक्षेत्रों में वैश्विक मानक और मानदंड (Norms and Standards) निर्धारित करना।
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिये उपकरण और कार्यक्रम विकसित करना।
- ज्ञान का उत्पादन करना और सदस्य देशों के लिये साक्ष्य-आधारित नीतिनिर्माण (Evidence-Based Policymaking) का समर्थन करना।
- विश्व धरोहर स्थल (World Heritage Sites), जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र (Biosphere Reserves) और रचनात्मक नगर (Creative Cities) जैसी वैश्विक नेटवर्क व्यवस्थाओं का संरक्षण एवं प्रबंधन करना।

भारतीय महिला टीम ने क्रिकेट विश्व कप 2025 जीता

चर्चा में क्यों ?

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने नवी मुंबई में आयोजित फाइनल मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला ICC महिला वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया।

मुख्य बिंदु

भारत की यात्रा:

- भारत इससे पहले वर्ष 2005 और 2017 में फाइनल में पहुँचा था, जहाँ उसे क्रमशः ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा।
- इस जीत के साथ भारत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड के बाद महिला विश्व कप (हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में) जीतने वाला चौथी देश बन गया।

टूर्नामेंट के बारे में:

- वर्ष 2025 का टूर्नामेंट महिला क्रिकेट विश्व कप का 13वाँ संस्करण था, जो 4 साल के अंतराल के बाद आयोजित किया गया।
- भारत और श्रीलंका ने कुल 8 टीमों की मेज़बानी की। मेज़बान देश: भारत (और श्रीलंका)।

मुख्य विशेषताएँ:

- कोच (भारत):** अमोल मजूमदार
- कप्तान (दक्षिण अफ्रीका):** लौरा वोल्वाइर्ट
- प्लेयर ऑफ़ द मैच:** शैफाली वर्मा
- प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट:** दीप्ति शर्मा

पूर्व 4 संस्करणों के विजेता:

- 2013: ऑस्ट्रेलिया
- 2017: इंग्लैंड
- 2022: ऑस्ट्रेलिया
- 2025: भारत

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ पुरस्कार:

- ❶ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने विजेता टीम के लिये 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 39 करोड़ रुपए) की पुरस्कार राशि घोषित की।
- ❷ भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (BCCI) ने विजय के उपरान्त भारतीय महिला टीम के लिये 51 करोड़ रुपए के नगद पुरस्कार की घोषणा की।

क्यूएस रैंकिंग एशिया 2026 में 137 भारतीय संस्थान

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **QS रैंकिंग** में भारतीय विश्वविद्यालयों की **रिकॉर्ड वृद्धि** को रेखांकित करते हुए **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार** के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

- ❖ **क्वाकवरेली साइमंड्स (QS)** एक लंदन स्थित वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषक संस्था है, जो व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त **QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग** जारी करने के लिये जानी जाती है।

मुख्य बिंदु

❖ परिचय:

- ❶ **QS वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग एशिया 2026** के अनुसार, यद्यपि कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय शीर्ष 50 में शामिल नहीं है, परंतु भारत ने 137 विश्वविद्यालयों की वृद्धि के साथ वर्ष 2016 की तुलना में **1,125% की वृद्धि** दर्ज की है।
- ❷ **QS एशिया रैंकिंग** में अब भारत के 294 विश्वविद्यालय शामिल हैं, जिससे वह **चीन के बाद दूसरे स्थान** पर है।
❶ चीन ने इस वर्ष 261 विश्वविद्यालयों को जोड़ा है, जिससे उसकी कुल संख्या 395 हो गई है।
- ❸ भारतीय संस्थान **शैक्षणिक प्रतिष्ठा, अनुसंधान उत्पादकता और नियोजक प्रतिष्ठा** के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, हालाँकि अंतर्राष्ट्रीयकरण तथा अनुसंधान दृश्यता के मामले में अभी भी पिछड़े हुए हैं।

❖ एशिया में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता:

- ❶ **हॉन्गकॉन्ग विश्वविद्यालय** : प्रथम स्थान
- ❷ **पेकिंग विश्वविद्यालय** : दूसरा स्थान
- ❸ **नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (NUS)** और **नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (NTU)** : तीसरा स्थान (संयुक्त)

❖ शीर्ष भारतीय संस्थान :

- ❶ **IIT दिल्ली**: 59वाँ स्थान (2025 में 44वें से नीचे)
- ❷ **IIT बॉम्बे**: 71वाँ स्थान (2025 में 48वें से नीचे)
- ❸ **IISc बंगलूरु**: 64वाँ स्थान (2025 में 62वें से नीचे)
- ❹ **IIT मद्रास**: 70वाँ स्थान (2025 में 56वें से नीचे)
- ❺ **IIT कानपुर**: 77वाँ स्थान (2025 में 67वें से नीचे)
- ❻ **दिल्ली विश्वविद्यालय**: 95वाँ स्थान (2025 में 81वें से नीचे)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ निजी संस्थानों की प्रगति:

- ❶ चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ने सुधार करते हुए 109वाँ स्थान प्राप्त किया (2025 में 120वें से ऊपर)।
- ❷ BITS पिलानी, शूलिनी विश्वविद्यालय तथा ओ.पी. जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय ने भी अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग स्तर हासिल किये हैं।

अमूल विश्व की शीर्ष सहकारी समितियों में प्रथम

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने ICA वर्ल्ड कोऑपरेटिव मॉनिटर 2025 रिपोर्ट के अनुसार अमूल तथा इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइज़र कोऑपरेटिव लिमिटेड (IFFCO) को वैश्विक स्तर पर शीर्ष दस सहकारी संस्थाओं में क्रमशः पहला और दूसरा स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी है।

- ❖ इस उपलब्धि को दोहा, कतर में आयोजित ICA CM50 सम्मेलन के दौरान औपचारिक रूप से मान्यता दी गई।

मुख्य बिंदु

- ❖ अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (ICA) ने यूरोपीय सहकारी एवं सामाजिक उद्यम अनुसंधान संस्थान (Euricse) के सहयोग से, संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में विश्व सहकारी मॉनिटर (WCM) 2025 का संस्करण जारी किया।
- ❖ WCM का यह 13वाँ संस्करण वैश्विक सहकारी क्षेत्र का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करता है, जो विश्व में सतत, समावेशी और लचीली अर्थव्यवस्थाओं में सहकारी समितियों के योगदान को दर्शाता है।
- ❖ वर्ष 2025 की रिपोर्ट में शीर्ष 300 सहकारी समितियाँ शामिल हैं, जिनका वर्ष 2023 में संयुक्त कारोबार 2.79 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर रहा तथा कृषि, वित्त, स्वास्थ्य, ऊर्जा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में उनके आर्थिक प्रभाव को उजागर किया गया है।
- ❖ प्रति व्यक्ति GDP के अनुपात में कारोबार के आधार पर भारत की अमूल और IFFCO ने वैश्विक सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सहकारी संस्थाओं की मजबूती को दर्शाता है।
 - ❶ यह रैंकिंग आर्थिक सशक्तीकरण और विकास को गति देने में भारत के सहकारी क्षेत्र की क्षमता तथा नेतृत्व को भी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करती है।

अमूल (गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड)

- ❖ अमूल की स्थापना वर्ष 1946 में कैरा ज़िला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, आनंद (गुजरात) के रूप में की गई थी। इसे त्रिभुवनदास पटेल ने मोरारजी देसाई और सरदार वल्लभ भाई पटेल के सहयोग से प्रारंभ किया था।
- ❖ वर्ष 1950 में इस सहकारी संस्था ने “अमूल” ब्रांड की शुरुआत की, जो आज भारत की सबसे बड़ी खाद्य उत्पाद विपणन संस्था बन चुकी है।
 - ❶ वित्त वर्ष 2023-24 में अमूल का वार्षिक कारोबार 7.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

IFFCO (इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइज़र कोऑपरेटिव लिमिटेड)

- ❖ इसकी स्थापना वर्ष 1967 में हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।
- ❖ यह भारतीय किसानों के लिये उर्वरकों का उत्पादन और विपणन करती है।
- ❖ विश्व की सबसे बड़ी सहकारी संस्थाओं में से एक IFFCO के पास 35,000 सदस्य सहकारी समितियाँ हैं, जो पूरे भारत में 5 करोड़ से अधिक किसानों तक अपनी सेवाएँ पहुँचाती हैं।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



गुरु नानक देव जयंती

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरु नानक जयंती के अवसर पर अपनी शुभकामनाएँ प्रकट कीं और सभी नागरिकों से बेहतर समाज के निर्माण हेतु गुरु नानक देव की सत्य, न्याय, करुणा तथा मानव समानता की शिक्षाओं को अपनाने का आग्रह किया।

मुख्य बिंदु

- गुरु नानक (1469-1539) का जन्म 1469 में पाकिस्तान के लाहौर के पास तलवंडी गाँव में हुआ था। वे दस सिख गुरुओं में प्रथम थे।
- प्रारंभिक जीवन: गुरु नानक ने लोदी प्रशासन में सुल्तानपुर में क्लर्क के रूप में कार्य किया।
- लगभग 30 वर्ष की आयु में, गुरु नानक ने काली बीन नदी के पास आध्यात्मिक अनुभूति और ईश्वर के साथ प्रत्यक्ष साक्षात्कार का अनुभव किया। इसके पश्चात उन्होंने उद्घोष किया,
- “न तो हिंदू है और न ही मुस्लिम।”
- दर्शन: वे भक्ति आंदोलन के निर्गुण दर्शन के समर्थक थे और कबीर दास से प्रभावित थे। उन्होंने नाम जपना जैसी आध्यात्मिक प्रथाओं पर जोर दिया अर्थात् ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करने के लिये ईश्वर के नाम का जाप करना।
- शिक्षाएँ और यात्राएँ: गुरु नानक ने अपने मुस्लिम साथी मरदाना के साथ भारत और मध्य पूर्व में व्यापक यात्रा कर अपना संदेश फैलाया। उनके द्वारा रचित भजनों को वर्ष 1604 में पाँचवें सिख गुरु अर्जुनदेव
- ने आदि ग्रंथ में शामिल किया।
- सामुदायिक स्थापना और विरासत: उन्होंने करतारपुर में बसकर पहला सिख समुदाय स्थापित किया, जहाँ शिष्य एक साथ रहते और पूजा करते थे। उन्होंने समुदाय का नेतृत्व करने के लिये गुरु अंगद (भाई लहना) को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया।

सिख गुरु और उनके प्रमुख योगदान

गुरु	अवधि	प्रमुख योगदान
गुरु नानक देव	1469-1539	सिख धर्म के संस्थापक; गुरु का लंगर शुरू किया; बाबर के समकालीन; 550वीं जयंती करतारपुर कॉरिडोर के साथ मनाई गई।
गुरु अंगद	1504-1552	गुरु मुखी लिपि का आविष्कार; गुरु का लंगर को लोकप्रिय बनाया।
गुरु अमरदास	1479-1574	आनंद कारज विवाह की शुरुआत की; सती प्रथा और पर्दा प्रथा का उन्मूलन; अकबर के समकालीन।
गुरु रामदास	1534-1581	वर्ष 1577 में अमृतसर की स्थापना की, स्वर्ण मंदिर का निर्माण शुरू किया।
गुरु अर्जुनदेव	1563-1606	वर्ष 1604 में आदि ग्रंथ की रचना की गई; स्वर्ण मंदिर का निर्माण पूरा किया गया; जहाँगीर द्वारा इसका निर्माण कराया गया।
गुरु हरगोबिंद	1594-1644	सिखों को एक सैन्य समुदाय में परिवर्तित किया; अकाल तख्त की स्थापना की; जहाँगीर और शाहजहाँ के खिलाफ युद्ध छेड़े।
गुरु हरराय	1630-1661	औरंगजेब के साथ शांति को बढ़ावा दिया; मिशनरी कार्य पर ध्यान केंद्रित किया।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



गुरु हरकृष्ण	1656-1664	सबसे युवा गुरु; इस्लाम विरोधी ईशनिंदा के लिये औरंगजेब द्वारा बुलाया गया।
गुरु तेग बहादुर	1621-1675	आनंदपुर साहिब की स्थापना की, वर्ष 1675 में मुगल सम्राट औरंगजेब के आदेश पर सिर कटवा दिया गया।
गुरु गोबिंद सिंह	1666-1708	वर्ष 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की; पाहुल (बपतिस्मा समारोह) की शुरुआत की; गुरु ग्रंथ साहिब को गुरु पद सौंपने वाले अंतिम गुरु।

मालदीव ने विश्व में पहली बार पीढ़ीगत धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया

चर्चा में क्यों ?

मालदीव आधिकारिक रूप से दुनिया का पहला देश बन गया है जिसने धूम्रपान पर पीढ़ीगत प्रतिबंध लागू किया है, जिसके तहत 1 जनवरी, 2007 या उसके बाद जन्मे किसी भी व्यक्ति को **तंबाकू उत्पादों** को खरीदने, रखने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।

मुख्य बिंदु

❖ पीढ़ीगत प्रतिबंध:

- यह प्रतिबंध सिगरेट, सिगार और धूम्ररहित तंबाकू सहित सभी प्रकार के तंबाकू पर लागू होता है।
- उल्लंघन को रोकने के लिये खुदरा विक्रेताओं को बिक्री से पहले आयु की पुष्टि करनी होगी।
- इसका उद्देश्य एक पीढ़ी के भीतर तंबाकू के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है।
- मालदीव में पहले से ही **वेपिंग और ई-सिगरेट** पर पूर्ण प्रतिबंध है, चाहे उम्र कोई भी हो।
- न्यूजीलैंड ऐसा कानून लागू करने वाला पहला देश था (1 जनवरी, 2009 के बाद जन्म लेने वालों के लिये), लेकिन उसने इसे प्रभावी होने से पहले ही वर्ष 2023 में निरस्त कर दिया।

❖ स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य:

- **WHO (विश्व स्वास्थ्य संगठन)** के अनुसार, तंबाकू से हर साल लगभग 70 लाख लोगों की मौत होती है।
- यह कदम युवाओं में तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति को रोकने तथा भावी पीढ़ियों की सुरक्षा के लिये **WHO के तंबाकू नियंत्रण फ्रेमवर्क कन्वेंशन (FCTC)** के अनुरूप है।

तंबाकू नियंत्रण पर WHO फ्रेमवर्क कन्वेंशन (FCTC)

❖ परिचय:

- यह विश्व की पहली वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य संधि है। 180 से अधिक देशों (भारत सहित) ने इस संधि को अनुमोदित किया है।
- इसे वर्ष 2003 में अपनाया गया और 2005 में लागू किया गया।

❖ उद्देश्य:

- वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों को **तंबाकू सेवन** तथा तंबाकू के धुएँ के संपर्क से होने वाले विनाशकारी स्वास्थ्य, सामाजिक, पर्यावरणीय एवं आर्थिक परिणामों से सुरक्षित रखना।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



प्रमुख प्रावधान:

- तंबाकू विज्ञापन, प्रचार और प्रायोजन पर प्रतिबंध।
- पैकेजिंग के कम-से-कम 30-50% भाग पर स्वास्थ्य चेतावनियाँ अनिवार्य।
- कराधान और सार्वजनिक धूम्रपान प्रतिबंध सहित तंबाकू की मांग तथा आपूर्ति को कम करने के उपाय।
- अवैध व्यापार का विनियमन और नीति-निर्माण में उद्योग हस्तक्षेप से सुरक्षा।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फेरारी रेस करने वाली पहली भारतीय महिला

चर्चा में क्यों ?

डायना पुंडोले ने अंतर्राष्ट्रीय सर्किट पर फेरारी 296 चैलेंज कार चलाने वाली पहली भारतीय महिला बनकर इतिहास रच दिया।

मुख्य बिंदु

- ◆ डायना पुंडोले फेरारी 296 चैलेंज में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, जो एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय वन-मेक रेसिंग श्रृंखला है, जिसमें ब्रांड की नवीनतम उच्च प्रदर्शन वाली रेस कार शामिल है।
- ◆ दुबई ऑटोड्रोम और यास मरीना, अबू धाबी सहित मध्य-पूर्वी सर्किटों में उनकी भागीदारी उन्हें वैश्विक स्तर पर आधिकारिक तौर पर फेरारी रेस करने वाली पहली भारतीय महिला बनाती है।
- ◆ फेरारी 296 चैलेंज के बारे में:
 - फेरारी 296 चैलेंज, फेरारी की चैलेंज रेसिंग श्रृंखला का नवीनतम मॉडल है, जो 488 चैलेंज इवो का स्थान लेगा।
 - यह श्रृंखला फेरारी के वैश्विक वन-मेक चैंपियनशिप प्रारूप के तहत चलती है, जिसमें विश्व के पेशेवर और शौकिया (जेंटलमैन) रेसर शामिल होते हैं।

भारतीय नौसेना द्वारा 'इक्षक' नौसेना में शामिल

चर्चा में क्यों ?

भारतीय नौसेना, कोच्चि स्थित नौसेना बेस में, सर्वे वेसल लार्ज (SVL) श्रेणी के तीसरे पोत INS इक्षक का जलावतरण करेगी।

मुख्य बिंदु

- ◆ इक्षक पोत के बारे में:
 - 'इक्षक' नाम का अर्थ है "मार्गदर्शक", जो समुद्रों के सटीक मानचित्रण और नौवहन का कार्य करने वाले इस जहाज की भूमिका को पूर्णतः प्रतिबिंबित करता है।
 - यह दक्षिणी नौसैनिक कमान (कोच्चि) में तैनात किया जाने वाला पहला SVL-श्रेणी का पोत है।
 - गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) लिमिटेड, कोलकाता द्वारा निर्मित इस पोत में 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ भूमिका और कार्य:

- यह जहाज बंदरगाहों, हार्बरों और नौवहन चैनलों के तटीय एवं गहरे जल क्षेत्रों के हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण के लिये डिजाइन किया गया है।
- इस पोत से प्राप्त सर्वेक्षण आँकड़े सुरक्षित समुद्री नौवहन, बंदरगाह प्रबंधन और सामुद्रिक संसाधनों के आकलन में सहायक होंगे।
- यह भारत की सटीक नौवहन चार्ट तैयार करने की क्षमता को सुदृढ़ करेगा, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों समुद्री अभियानों को समर्थन प्राप्त होगा।

सर्वे वेसल लार्ज (SVL) श्रेणी

- ❖ सर्वे वेसल लार्ज परियोजना भारत के हाइड्रोग्राफिक सर्वे पोत के आधुनिकीकरण तथा पुराने संधायक-श्रेणी के पोतों के प्रतिस्थापन के उद्देश्य से प्रारंभ की गई थी।
- ❖ इस श्रेणी में कुल चार पोत सम्मिलित हैं- INS संधायक, INS निर्देशक, INS इक्षक तथा INS संशोधक (निर्माणाधीन)।
- ❖ ये सभी पोत गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE), कोलकाता द्वारा आत्मनिर्भर भारत पहल के अंतर्गत निर्मित किये जा रहे हैं।
- ❖ इन्हें हाइड्रोग्राफिक, ओशनोग्राफिक एवं कार्टोग्राफिक सर्वेक्षण करने हेतु डिजाइन किया गया है, जिससे नौवहन चार्ट तैयार करने तथा नागरिक और रक्षा दोनों समुद्री अभियानों में सहयोग प्रदान किया जा सके।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 नवंबर, 2025 को राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक वर्ष तक चलने वाले स्मरणोत्सव का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- ❖ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि: वंदे मातरम् को बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा 7 नवंबर, 1875 को अक्षय नवमी के दिन रचित किया गया था।
 - यह गीत पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में उनके प्रतिष्ठित उपन्यास आनंदमठ के भाग के रूप में प्रकाशित हुआ।
- ❖ अंगीकरण: इसे भारत का राष्ट्रीय गीत घोषित किया गया; इसके प्रथम दो पद्यांशों को 24 जनवरी, 1950 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया।
- ❖ भाषा: मूलतः यह संस्कृतनिष्ठ बंगाली में रचित है
- ❖ संगीत रचना: इसे रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा संगीतबद्ध किया गया और यह पहली बार वर्ष 1896 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अधिवेशन में प्रस्तुत किया गया।
- ❖ यह गीत भारत माता को शक्ति, समृद्धि और दिव्यता का प्रतीक बताता है तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



विशेष अभियान 5.0

चर्चा में क्यों ?

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (DHR) और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) ने विशेष अभियान 5.0 का सफलतापूर्वक समापन किया।

मुख्य बिंदु

❖ विशेष अभियान 5.0:

- यह भारत सरकार की राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसका उद्देश्य स्वच्छता, कुशल रिकॉर्ड प्रबंधन, तथा PMO और सांसद संदर्भों एवं सार्वजनिक शिकायतों सहित लंबित मामलों का समय पर समाधान सुनिश्चित करना है।
- इस अभियान में DHR और ICMR के साथ-साथ भारत के 27 संस्थानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

❖ प्रमुख उपलब्धियाँ:

- अभियान के दौरान जन शिकायतों, PG अपीलों और PMO संदर्भों के समाधान में 100% लक्ष्य प्राप्ति।

❖ सभी संबद्ध कार्यालयों और क्षेत्रीय संस्थानों में व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किया गया।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत ने 7 नवंबर, 2025 को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाया, जिसका उद्देश्य कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान और जागरूकता को बढ़ावा देना था।

मुख्य बिंदु

❖ पृष्ठभूमि:

- यह दिन मैरी क्यूरी (7 नवंबर, 1867) की जयंती के अवसर पर पड़ता है, जिनके रेडियोधर्मिता पर अभूतपूर्व शोध ने कैंसर के निदान और उपचार में क्रांति ला दी थी।
- कैंसर की रोकथाम तथा स्क्रीनिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2014 में घोषित किया गया था।

❖ उद्देश्य और महत्त्व:

- इसका उद्देश्य नागरिकों को जीवन शैली में बदलाव, नियमित स्वास्थ्य जाँच और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप के महत्त्व के बारे में शिक्षित करना है।
- भारत में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, हर वर्ष 14 लाख से अधिक नए मामले सामने आते हैं, जिनमें से कई का पता उन्नत अवस्था में चलता है।

❖ थीम 2025:

- यद्यपि भारत का अभियान घरेलू दृष्टिकोण पर केंद्रित है, फिर भी यह वैश्विक विश्व कैंसर दिवस (2025-27) की थीम “यूनाइटेड बाय यूनिट” के अनुरूप है, जो कैंसर उपचार में व्यक्तिगत देखभाल और समावेशिता पर प्रकाश डालती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मारिया स्कोलोडोव्स्का-क्यूरी (1867-1934)

- ❖ **राष्ट्रीयता:** पोलैंड में जन्म, बाद में फ्राँसीसी नागरिक।
- ❖ **प्रमुख खोजें:**
 - ⦿ रेडियोधर्मी तत्व रेडियम (Ra) और पोलोनियम (Po) की खोज।
 - ⦿ कैंसर उपचार (रेडियोथेरेपी) में रेडियोधर्मिता की अवधारणा और चिकित्सा उपयोग में अग्रणी।
- ❖ **पुरस्कार और सम्मान:**
 - ⦿ नोबेल पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला।
 - ⦿ दो अलग-अलग विज्ञानों (भौतिकी, 1903 और रसायन विज्ञान, 1911) में दो नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली एकमात्र महिला।
- ❖ **वैज्ञानिक प्रभाव:**
 - ⦿ उनके शोध ने कैंसर निदान और उपचार में प्रयुक्त परमाणु चिकित्सा तथा विकिरण चिकित्सा की नींव रखी।

गूगल का प्रोजेक्ट सनकैचर

चर्चा में क्यों ?

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी गूगल ने प्रोजेक्ट सनकैचर की घोषणा की है, जो अंतरिक्ष में AI-संचालित डेटा केंद्र विकसित करने के लिये एक महत्वाकांक्षी अनुसंधान पहल है।

मुख्य बिंदु

- ❖ **प्रोजेक्ट सनकैचर के बारे में:**
 - ⦿ इस परियोजना में सौर ऊर्जा से संचालित उपग्रहों द्वारा अंतरिक्ष में AI डेटा केंद्रों की मेजबानी करने की परिकल्पना की गई है, ताकि स्थलीय सुविधाओं को शीतल करने के लिये उपयोग की जाने वाली पृथ्वी की ऊर्जा और पानी की खपत को कम किया जा सके।
 - ⦿ ये परिकल्पना करने वाले डेटा केंद्र प्रति सेकंड दसियों टेराबिट्स की गति से डेटा स्थानांतरित करने के लिये मुक्त-स्थान ऑप्टिकल लिंक का उपयोग करेंगे, जिससे स्टारलिंक जैसे उपग्रह इंटरनेट तारामंडल के समान वितरित नेटवर्क का निर्माण होगा।
 - ⦿ गूगल अपने अंतरिक्ष-आधारित TPU (टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट) हार्डवेयर का परीक्षण करने के लिये वर्ष 2027 की शुरुआत तक दो प्रोटोटाइप उपग्रहों को लॉन्च करने की योजना बना रहा है।
- ❖ **अंतरिक्ष-आधारित AI केंद्रों की आवश्यकता:**
 - ⦿ AI डेटा सेंटर्स को शीतल करने के लिये भारी मात्रा में विद्युत् और पानी की आवश्यकता होती है, जो वैश्विक स्तर पर AI के बढ़ते उपयोग के कारण पर्यावरणीय चिंता का विषय बन रहा है।
 - ⦿ अंतरिक्ष में सौर पैनल पृथ्वी की तुलना में 8 गुना अधिक कुशल हैं तथा निरंतर और स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति प्रदान करते हैं।
- ❖ **कार्य प्रणाली:**
 - ⦿ ये उपग्रह एक समेकित उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग नेटवर्क के रूप में कार्य करने के लिये सौर ऊर्जा और ऑप्टिकल डेटा ट्रांसमिशन पर निर्भर होंगे।
 - ⦿ TPU (Trilium v6e) का विकिरण प्रतिरोध और चरम स्थितियों में प्रदर्शन के लिये परीक्षण किया जा रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026UPSC
क्लासरूम
कोर्सIAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्सदृष्टि लर्निंग
ऐप

उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2025

चर्चा में क्यों ?

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) ने “ऑफ टारगेट” शीर्षक से अपनी उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2025 जारी की, जिसमें चेतावनी दी गई है कि पेरिस समझौते के तहत वर्तमान जलवायु प्रतिज्ञाएँ 1.5 डिग्री सेल्सियस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये अपर्याप्त हैं।

मुख्य बिंदु

❖ अनुमानित तापमान वृद्धि स्तर:

- वर्तमान नीतियों के तहत, अनुमान है कि वर्ष 2100 तक विश्व का तापमान लगभग 2.8°C बढ़ जाएगा।
- यदि सभी राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs) को पूरी तरह क्रियान्वित किया जाए, तो सदी के अंत तक अनुमानित तापमान वृद्धि को लगभग $2.3-2.5^{\circ}\text{C}$ तक सीमित किया जा सकता है।
- यह पिछले वर्ष (2024) के $2.6-2.8^{\circ}\text{C}$ के अनुमान से केवल मामूली सुधार है, जो नई प्रतिबद्धताओं की सीमित प्रगति को दर्शाता है।

❖ प्रभावित करने वाले कारक:

- पद्धतिगत समायोजन के कारण अनुमानों में 0.1°C का सुधार हुआ।
- वहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका के पेरिस समझौते से बाहर होने से उतना ही नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है।

❖ कटौती लक्ष्य:

- 2°C तक ग्लोबल वार्मिंग सीमित करने के लिये, वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को वर्ष 2035 तक वर्ष 2019 के स्तर से 35% घटाना होगा।
- 1.5°C के अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये, उत्सर्जन में वर्ष 2019 के स्तर से 55% की कमी आवश्यक है।
- हालाँकि UNEP ने चेतावनी दी है कि अगले दशक में 1.5°C सीमा का अस्थायी रूप से उल्लंघन होने की संभावना है, जो उत्सर्जन में और अधिक गहन एवं तीव्र कटौती की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

❖ सकारात्मक संकेतक:

- अनुमानित तापमान वृद्धि $3-3.5^{\circ}\text{C}$ (2015) से घटकर लगभग 2.5°C (2025) हो गई है, जो पेरिस समझौते के बाद से हुई प्रगति को दर्शाती है।
- सौर और पवन प्रौद्योगिकियों का तीव्र विस्तार हो रहा है, जिससे वैश्विक स्तर पर उनकी तैनाती की लागत में कमी आई है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)

- ❖ **स्थापना:** वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावरण सम्मेलन (स्टॉकहोम) के बाद।
- ❖ **मुख्यालय:** नैरोबी, केन्या।
- ❖ **कार्य:** यह एक वैश्विक पर्यावरणीय प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है, जो अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय प्रयासों का समन्वय करता है तथा राष्ट्रों को सतत् नीतियाँ अपनाने में सहयोग प्रदान करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ प्रमुख रिपोर्ट:

- उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट
- अनुकूलन अंतराल रिपोर्ट
- वैश्विक पर्यावरण आउटलुक (GEO)

खाद्य एवं कृषि स्थिति (SOFA) रिपोर्ट 2025

चर्चा में क्यों ?

खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) ने “विभिन्न भूमि स्वामित्व स्तरों पर भूमि क्षरण का समाधान” नामक शीर्षक से **खाद्य एवं कृषि स्थिति (SOFA) रिपोर्ट 2025** जारी की है।

मुख्य बिंदु

❖ रिपोर्ट के बारे में:

- वैश्विक कृषि भूमि में कमी: लगभग 20% वैश्विक कृषि भूमि में **मृदा अपरदन**, पोषक तत्वों की कमी और कार्बन की हानि के कारण उत्पादकता में गिरावट देखी जा रही है।
- क्षेत्रीय प्रभाव: एशिया और अफ्रीका सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहाँ दक्षिण एशिया तथा उप-सहारा अफ्रीका में उत्पादकता में गंभीर अंतर (संभावित स्तर से 70% तक कम) देखा गया है।
- भारत की स्थिति: भारत में वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक उपज अंतराल (yield gap) देखा गया है, जिसका मुख्य कारण भूमि का अत्यधिक उपयोग और मृदा की उर्वरता में गिरावट है।
- मुख्य प्रेरक करक: वनों की कटाई (वन हानि का 90%), एकल फसल उत्पादन, अत्यधिक उर्वरक उपयोग, अनियमित सिंचाई और अनुचित मृदा प्रबंधन।

❖ भूमि क्षरण:

- भूमि क्षरण को आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ प्रदान करने की भूमि की क्षमता में दीर्घकालिक गिरावट के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं और मानवीय गतिविधियों जैसे- **वनों की कटाई**, अतिचारण तथा असंगत सिंचाई के कारण होती है।

❖ भूमि क्षरण तटस्थता (LDN):

- यह एक वैश्विक लक्ष्य है, जिसका उद्देश्य भूमि संसाधनों की मात्रा और गुणवत्ता को स्थिर रखना या समय के साथ इसमें सुधार सुनिश्चित करना है।
- इसे वर्ष 2015 में सतत विकास लक्ष्य (SDG) 15.3 के भाग के रूप में, **मरुस्थलीकरण से निपटने हेतु संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCCD)** के तहत अपनाया गया।

❖ भूमि क्षरण तटस्थता (LDN) पदानुक्रम:

- भूमि क्षरण से बचें > कम करें > पलटें (Avoid > Reduce > Reverse land degradation) यह पारिस्थितिकी संतुलन को बहाल करने के लिये FAO का मुख्य सिद्धांत है।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



खाद्य और कृषि संगठन (FAO)

परिचय:

- इसकी स्थापना वर्ष 1945 में हुई थी। इसका मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है।
- यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी के रूप में कार्य करता है और इसके 194 सदस्य देश हैं, जिनमें यूरोपीय संघ भी शामिल है।

उद्देश्य:

- इसका उद्देश्य भुखमरी को समाप्त करना, पोषण में सुधार करना, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और सतत कृषि को बढ़ावा देना है।

प्रमुख रिपोर्ट:

- खाद्य एवं कृषि स्थिति (SOFA)
- विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (SOFI)
- विश्व मत्स्य पालन और जलीय कृषि की स्थिति (SOFIA)
- विश्व के वनों की स्थिति (SOFO)

भारत और FAO:

- भारत FAO का एक संस्थापक सदस्य है; यह भारत के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना और सतत भूमि प्रबंधन पहलों का समर्थन करता है।

मालाबार अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों ?

भारतीय नौसेना का युद्धपोत **INS सह्याद्री** उत्तरी प्रशांत महासागर के **गुआम** में आयोजित बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास '**मालाबार 2025**' में भाग लेने पहुँचा।

मुख्य बिंदु

मालाबार अभ्यास:

- क्वाड (QUAD)** रूपरेखा के तहत आयोजित यह एक बहुपक्षीय नौसैनिक युद्धाभ्यास है, जिसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।
- इसका उद्देश्य **हिंद-प्रशांत क्षेत्र** में संयुक्त समुद्री समन्वय, पारस्परिक संचालन क्षमता (interoperability) और संचालन तत्परता (operational readiness) को सुदृढ़ करना है।
- INS सह्याद्री की भागीदारी आत्मनिर्भर भारत अभियान और नौसैनिक स्वदेशीकरण (naval self-reliance) के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आयोजन स्थल- गुआम:

- गुआम का आयोजन स्थल के रूप में चयन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती भागीदारी और क्वाड के सामरिक लक्ष्यों के अनुरूप है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ यह पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित एक असंबद्ध अमेरिकी क्षेत्र (Unincorporated U.S. Territory) है, जो फिलीपींस और हवाई के बीच स्थित है।

❖ यहाँ एंडरसन वायुसेना अड्डा और नेवल बेस गुआम जैसे प्रमुख अमेरिकी सैन्य अड्डे स्थित हैं, जो इसे हिंद-प्रशांत सुरक्षा अभियानों के लिये एक सामरिक केंद्र (strategic hub) बनाते हैं।

❖ INS सह्याद्री:

❖ यह शिवालिक-श्रेणी (प्रोजेक्ट 17) की एक निर्देशित प्रक्षेपास्त्र (guided missile) युक्त स्टील्थ फ्रिगेट है, जिसे वर्ष 2012 में भारत की पहली स्टील्थ फ्रिगेट श्रृंखला के अंतर्गत नौसेना में सम्मिलित किया गया।

❖ मद्रास डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL), मुंबई द्वारा निर्मित इसे एंटी-एयर, एंटी-सरफेस और एंटी-पनडुब्बी युद्ध सहित बहु-भूमिका संचालन के लिये डिज़ाइन किया गया है।



राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के प्रवर्तन की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 9 नवंबर को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया जाता है। यह अधिनियम सभी नागरिकों, विशेषकर वंचित एवं दुर्बल वर्गों को निशुल्क और निष्पक्ष न्याय तक समान पहुँच सुनिश्चित करने हेतु वर्ष 1995 में प्रभावी हुआ था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट
अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



मुख्य बिंदु

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस:

- इस दिवस की शुरुआत विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) द्वारा की गई थी।
- यह दिवस नागरिकों के कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, सभी के लिये न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करने और समाज के कमजोर वर्गों के लिये न्याय के सिद्धांत को बनाए रखने के लिये मनाया जाता है।

विधिक ढाँचा:

- विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत गठित इस तंत्र में शामिल प्रमुख संस्थाएँ हैं-
 - NALSA (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण): भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में।
 - SLSA (राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण): संबंधित उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की अध्यक्षता में।
 - DLSA (ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण): संबंधित ज़िला न्यायाधीशों की अध्यक्षता में।
- यह ढाँचा आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों को निशुल्क कानूनी प्रतिनिधित्व, परामर्श तथा सहायता प्रदान करता है, जिसका वित्तपोषण राष्ट्रीय, राज्य एवं ज़िला कानूनी सहायता निधियों के माध्यम से किया जाता है।
 - इसके अतिरिक्त, लोक अदालतें, कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली (LADCS), फास्ट ट्रैक और विशेष न्यायालय तथा ग्राम न्यायालय एवं नारी अदालत जैसी पूरक संस्थाएँ एवं योजनाएँ भी इस ढाँचे के अंतर्गत कार्यरत हैं, जो विवाद समाधान एवं न्याय तक पहुँच को अधिक सुलभ व प्रभावी बनाती हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया, जो स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री तथा देश की आधुनिक शिक्षा प्रणाली के प्रमुख वास्तुकार मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की 137वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस:

- यह दिवस प्रतिवर्ष 11 नवंबर को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद (1888-1958) की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है।
- इस दिवस की घोषणा सर्वप्रथम वर्ष 2008 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) द्वारा की गई थी।

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद:

- उनका जन्म 11 नवंबर, 1888 को मक्का में हुआ था और बाद में वे कलकत्ता (कोलकाता) में बस गए, जहाँ वे एक प्रमुख विद्वान तथा राष्ट्रवादी के रूप में उभरे।
- उन्होंने स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री (1947-1958) के रूप में कार्य किया और वैज्ञानिक, तकनीकी तथा सांस्कृतिक शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिये महत्वपूर्ण सुधार किये।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) और भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) के साथ-साथ साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी तथा संगीत नाटक अकादमी जैसी सांस्कृतिक संस्थाओं की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे।
- उनके महान योगदान को देखते हुए उन्हें वर्ष 1992 में मरणोपरान्त भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

भारत की पहली MWh-स्केल वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB)

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय विद्युत और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री ने ग्रेटर नोएडा में भारत की पहली MWh-स्केल वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB) का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

❖ बैटरी के बारे में:

- 3 MWh क्षमता वाली वैनेडियम रेडॉक्स फ्लो बैटरी (VRFB) का विकास राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC) के राष्ट्रीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी अनुसंधान गठबंधन (NETRA) द्वारा किया गया है।
- इसका उद्देश्य बड़े स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण और ग्रिड स्थिरता के लिये दीर्घावधि ऊर्जा भंडारण (LDES) प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करना है।

❖ विशेषताएँ:

- यह बैटरी विभिन्न ऑक्सीकरण अवस्थाओं में वैनेडियम आयनों का उपयोग कर विद्युत ऊर्जा का कुशल भंडारण और निर्वहन करती है।
- यह प्रणाली लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में दीर्घ परिचालन आयु और उत्कृष्ट मापनीयता प्रदान करती है।
- इसमें प्रयुक्त गैर-ज्वलनशील इलेक्ट्रोलाइट्स इसे बड़े स्तर पर ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों के लिये अत्यंत सुरक्षित बनाते हैं।
- यह ग्रिड-स्तरीय नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण, माइक्रोग्रिड संचालन तथा पीक-लोड प्रबंधन के लिये उपयुक्त है।
- VRFB को सौर एवं पवन ऊर्जा जैसे अक्षय स्रोतों के ग्रिड एकीकरण हेतु एक स्थायी और विश्वसनीय विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

बुकर पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों?

लेखक डेविड स्त्रेले को उनके काल्पनिक उपन्यास फ्लेश (Flesh) के लिये वर्ष 2025 के बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

❖ डेविड स्त्रेले के बारे में:

- डेविड स्त्रेले एक हंगेरियन-ब्रिटिश उपन्यासकार हैं, जो अपनी सटीक, संक्षिप्त शैली और पुरुषत्व पहचान तथा समकालीन यूरोपीय जीवन की गहरी खोज के लिये जाने जाते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- अपने उपन्यास फ्लेश के माध्यम से, उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा को और मज़बूत किया है। वे साधारण पुरुषों के आंतरिक जीवन को असाधारण रूप से चित्रित करते हैं तथा उनके व्यक्तिगत संघर्षों को व्यापक सामाजिक एवं आर्थिक परिवेश के संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं।

❖ बुकर पुरस्कार के बारे में:

- बुकर पुरस्कार (पूर्व में मैन बुकर पुरस्कार) विश्व के सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कारों में से एक है।
- इसे वर्ष 1969 में स्थापित किया गया था और यह बुकर पुरस्कार फाउंडेशन द्वारा संचालित किया जाता है।
- यह पुरस्कार अंग्रेज़ी में लिखा गया और यूके या आयरलैंड में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ मौलिक पूर्ण-कालिक उपन्यास को सम्मानित करता है। वर्ष 2014 से किसी भी राष्ट्रीयता के लेखक इसके लिये प्रतियोगिता में भाग लेने के पात्र हैं।
- इस पुरस्कार का उद्देश्य अंग्रेज़ी भाषा के साहित्य में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना और पाठकों के व्यापक वर्ग को आकर्षित करना है।
- भारत के पुरस्कार विजेताओं में अरुंधति रॉय (1997), किरण देसाई (2006) और अरविंद अडिगा (2008) शामिल हैं।

बुकर पुरस्कार और अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार के बीच अंतर

- ❖ बुकर पुरस्कार पहली बार वर्ष 1969 में प्रदान किया गया और यह मूलतः अंग्रेज़ी में लिखी गई सर्वश्रेष्ठ एकल कथा कृति के लिये दिया जाता है।
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार की स्थापना वर्ष 2005 में की गई और यह किसी भी अन्य भाषा से अंग्रेज़ी में अनुवादित सर्वश्रेष्ठ एकल कथा कृति के लिये दिया जाता है।
- ❖ यह पुरस्कार लेखक और अनुवादक दोनों की उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करता है।

अमोनियम नाइट्रेट

चर्चा में क्यों ?

दिल्ली के लाल किले के समीप हुए विस्फोट में अमोनियम नाइट्रेट के उपयोग की संभावना के चलते यह रसायन चर्चा का विषय बन गया।

मुख्य बिंदु

❖ रसायन के बारे में:

- शुद्ध अमोनियम नाइट्रेट (NH_4NO_3) एक सफेद, क्रिस्टलीय, जल में घुलनशील, नाइट्रोजन-युक्त यौगिक है, जिसे अमोनिया और नाइट्रिक अम्ल की अभिक्रिया से तैयार किया जाता है तथा यह लगभग 170°C पर पिघलता है।
- इस पदार्थ को एक ऑक्सीकरण अभिकर्मक के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। यह व्यावसायिक विस्फोटकों के निर्माण में उपयोग होने वाला एक प्रमुख घटक है।
- इसे 'दोहरे उपयोग' वाले पदार्थ की श्रेणी में रखा गया है, यानी इसका एक ओर वैध औद्योगिक उपयोग है, जबकि दूसरी ओर इसका हथियार के रूप में भी प्रयोग किया जा सकता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



♦ उपयोग:

- उच्च पोषक तत्व सामग्री के कारण कृषि में इसका उपयोग व्यापक रूप से नाइट्रोजन उर्वरक के रूप में किया जाता है।
- इसका उपयोग खदानों और उत्खनन परियोजनाओं में नियंत्रित विस्फोट के लिये किया जाता है तथा यह खनन-ग्रेड विस्फोटकों में प्रयुक्त विभिन्न इमल्शन एवं जैल का एक प्रमुख घटक भी है।

♦ अमोनियम नाइट्रेट का शस्त्रीकरण:

- शुद्ध अमोनियम नाइट्रेट अपने आप में विस्फोटक नहीं है और इसे संयुक्त राष्ट्र के खतरनाक पदार्थों के वर्गीकरण के तहत ऑक्सीकारक के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- यह ईंधन तेल, पोटेशियम क्लोरेट, सल्फर या अन्य त्वरकों के साथ मिलाए जाने पर वाष्पशील रूप में परिवर्तित हो जाता है।
- इस मिश्रण से ANFO (अमोनियम नाइट्रेट-प्थूल ऑयल) का निर्माण होता है, जो आमतौर पर उपयोग किया जाने वाला एक विस्फोटक है।
- हालाँकि ANFO में स्वयं विस्फोट नहीं हो सकता, इसे सक्रिय करने के लिये डेटोनेटर जैसे ट्रिगर की आवश्यकता होती है, जो आमतौर पर RDX या TNT जैसे प्राथमिक विस्फोटकों द्वारा संचालित होता है।

गरुड़ अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों ?

भारतीय वायु सेना (IAF) फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना (FASF) के साथ आयोजित द्विपक्षीय वायु अभ्यास गरुड़-25 के 8वें संस्करण में भाग ले रही है।

मुख्य बिंदु

♦ गरुड़ अभ्यास: परिचय

- “गरुड़” भारतीय और फ्रांसीसी वायु सेनाओं के बीच एक द्विपक्षीय वायु अभ्यास है, जो वर्ष 2003 से समय-समय पर आयोजित किया जाता है।
- यह भारत द्वारा किसी विदेशी वायु सेना के साथ किये जाने वाले उच्चतम स्तर के वायु अभ्यासों में से एक है और बारी-बारी से भारत तथा फ्रांस में आयोजित होता है।
 - इसके प्रमुख उद्देश्यों में पारस्परिक परिचालन क्षमताओं को बढ़ाना, रणनीति साझा करना, परिचालन संबंधी जानकारी का निर्माण करना और रणनीतिक संबंध बनाना शामिल है।

♦ 2025 संस्करण: परिचय

- गरुड़ अभ्यास का 8वाँ संस्करण (गरुड़-25) फ्रांस के मोंट-डी-मार्सन मिलिट्री बेस में 16 से 27 नवंबर, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है।
- भारतीय वायु सेना (IAF) का दस्ता, जिसमें Su-30MKI लड़ाकू विमान, IL-78 रीफ्यूएलर तथा C-17 ग्लोबमास्टर III एयर-लिफ्ट विमान शामिल हैं, फ्रांस के मल्टी-रोल लड़ाकू विमानों (French Multirole Fighters) के साथ मिलकर जटिल सिम्युलेटेड मिशनों में भाग लेगा। इन मिशनों में एयर-टू-एयर कॉम्बैट, वायु रक्षा और संयुक्त स्ट्राइक ऑपरेशन्स शामिल होंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स

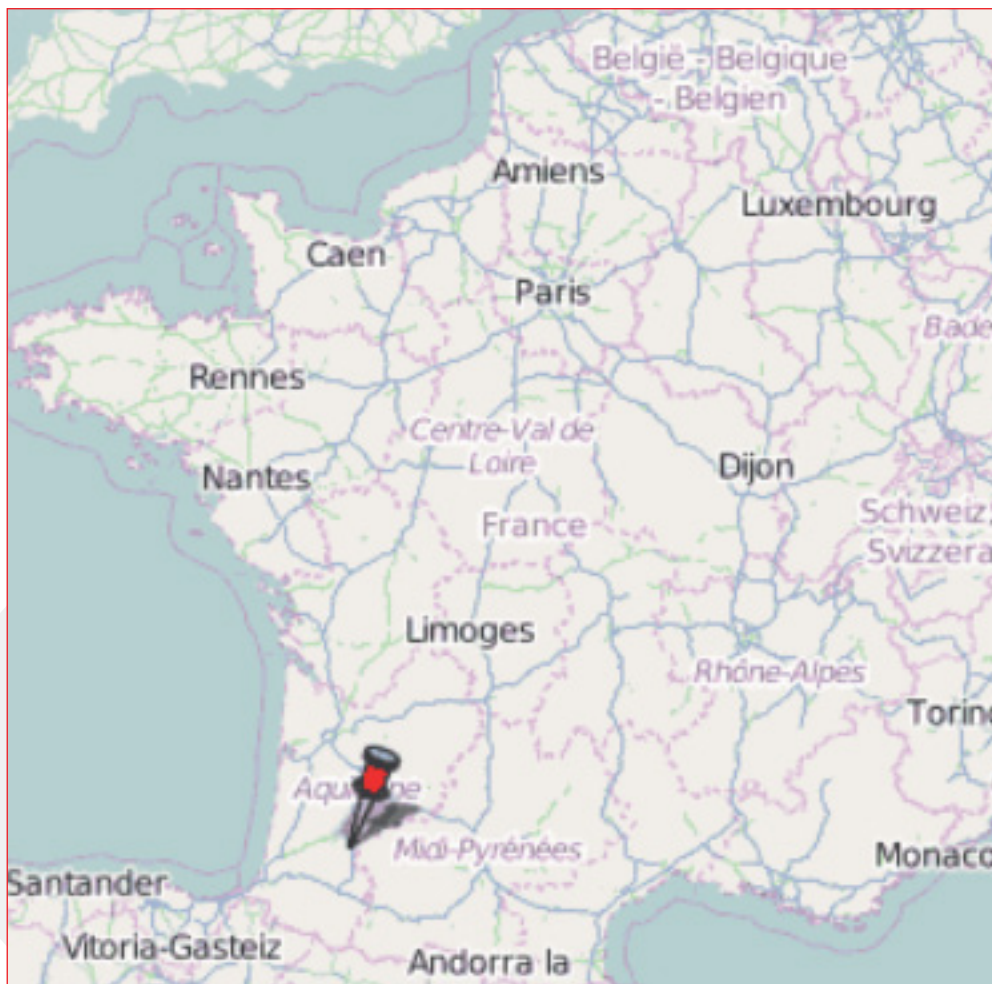


IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप





अजय वारियर-25 अभ्यास

चर्चा में क्यों ?

भारत और यूनाइटेड किंगडम ने भारतीय सेना तथा ब्रिटिश सेना के मध्य द्विपक्षीय सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास अजय वारियर-25 के 8वें संस्करण की शुरुआत की है।

मुख्य बिंदु

♦ अभ्यास के बारे में:

- अजय वारियर भारतीय सेना और ब्रिटिश सेना के बीच एक द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है, जो वर्ष 2011 से द्विवार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट
अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- इसका उद्देश्य अंतर-संचालनीयता बढ़ाना, सामरिक समन्वय में सुधार लाना तथा आतंकवाद-रोधी और शांति अभियानों में श्रेष्ठ प्रथाओं का आदान-प्रदान करना है।
- यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के तहत आयोजित किया जाता है, विशेषकर **संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII** के अनुरूप, जो शांति के लिये खतरे, शांति भंग और आतंकवाद रोधी परिदृश्यों से संबंधित शांति स्थापना कर्तव्यों से संबंधित है।

❖ संस्करण 2025

- 8वाँ संस्करण 17 से 30 नवंबर, 2025 तक **फॉरेन ट्रेनिंग नोड**, महाजन फील्ड फायरिंग रेंज, राजस्थान में आयोजित किया जा रहा है।
- इसमें दोनों सेनाओं से समान प्रतिनिधित्व के साथ कुल 240 कर्मी भाग ले रहे हैं। भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व **सिख रेजिमेंट** कर रही है।
- प्रशिक्षण में सिमुलेशन-आधारित परिदृश्य, ब्रिगेड-स्तरीय मिशन योजना तथा वास्तविक जीवन की आतंकवाद विरोधी परिस्थितियों से संबंधित क्षेत्रीय अभ्यास शामिल हैं।

विश्व मत्स्य दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत ने 21 नवंबर, 2025 को **विश्व मत्स्य दिवस** मनाया, जिसमें सततता, **नीली अर्थव्यवस्था** के संवर्द्धन तथा **मत्स्यपालकों** की आजीविका में संरचनात्मक सुधार को केंद्रित करते हुए गतिविधियों का संचालन किया गया।

मुख्य बिंदु

❖ विश्व मत्स्य दिवस के बारे में:

- प्रतिवर्ष 21 नवंबर को मनाए जाने वाले इस दिवस की उत्पत्ति वर्ष 1997 में **विश्व मत्स्य मंच** के गठन से संबद्ध है, जब 18 देशों के प्रतिनिधि नई दिल्ली में सतत मत्स्यन तथा मत्स्यपालक समुदायों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के उद्देश्य से **सम्मिलित हुए थे**, फलस्वरूप भारत इस वैश्विक आयोजन का उद्गम-स्थल बन गया।

❖ विषय:

- वर्ष 2025 का विषय है 'भारत की जलजनित अर्थव्यवस्था में बदलाव: समुद्री खाद्य वस्तुओं के निर्यात में मूल्यवर्धन'।

❖ रैंकिंग:

- भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य-उत्पादक देश है तथा विश्व के शीर्ष झींगा उत्पादकों में शामिल है।
- कुल मत्स्य उत्पादन वर्ष 2013-14 के 96 लाख टन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 195 लाख टन हो गया।
- समुद्री उत्पादों का निर्यात 11.08% बढ़ा, जो अक्टूबर 2024 में 0.81 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर अक्टूबर 2025 में 0.90 अरब अमेरिकी डॉलर पहुँच गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ प्रमुख पहल:

- सरकार ने सुरक्षित, पारदर्शी और वैश्विक मानकों के अनुरूप समुद्री खाद्य आपूर्ति शृंखला सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीय मत्स्य एवं जलीय कृषि अनुरक्षण ढाँचा (National Framework on Traceability in Fisheries & Aquaculture) प्रारंभ किया है।
- EEZ नियमों के तहत मत्स्य-संसाधनों के सतत उपयोग से पर्यावरणीय रूप से उत्तरदायी गहरे समुद्र में मत्स्यन को प्रोत्साहन मिलता है, जिसमें मत्स्य सहकारी समितियों और **FFPOs** को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे लघु स्तर के मत्स्यपालकों के लिये आय के अवसर सृजित होते हैं।
- ReALCRaft एक डिजिटल मंच है, जो ऑनलाइन पंजीकरण, लाइसेंसिंग, ई-पेमेंट तथा पोत डेटा अपडेट की सुविधा देता है और एकीकृत निरीक्षणों के माध्यम से पेपरलेस मत्स्य प्रशासन सुनिश्चित करता है।
- नभमित्र** (NABHMITRA) 20 मीटर से कम आकार वाले छोटे पोतों हेतु दो-तरफा उपग्रह संचार प्रणाली है, जो वास्तविक समय में ट्रैकिंग, SOS अलर्ट और मौसम अपडेट प्रदान करती है, जिससे मत्स्यपालकों की सुरक्षा तथा तटीय प्राधिकरणों के साथ समन्वय में सुधार होता है।

गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस

चर्चा में क्यों ?

भारत के **राष्ट्रपति** ने 24 नवंबर, 2025 को **गुरु तेग बहादुर** के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

- ❖ उन्हें 24 नवंबर, 1675 को कश्मीरी पंडितों को **जबरन धर्म परिवर्तन** से बचाने के लिये औरंगजेब द्वारा फाँसी दे दी गई थी। दिल्ली के चाँदनी चौक में स्थित शीशगंज साहिब गुरुद्वारा उनके फाँसी स्थल के रूप में प्रसिद्ध है।

मुख्य बिंदु

गुरु तेग बहादुर के बारे में:

❖ प्रारंभिक जीवन:

- वर्ष 1621 में अमृतसर में जन्मे गुरु तेग बहादुर को उनके तपस्वी स्वभाव के कारण शुरू में **त्यागमल** के नाम से जाना जाता था। धार्मिक दर्शन एवं युद्ध कौशल में प्रशिक्षित होने के साथ युद्ध में वीरता के लिये उन्हें “तेग बहादुर” की उपाधि प्रदान की गई।

❖ गुरु के रूप में योगदान:

- वर्ष 1664 में गुरु हरकिशन के बाद 9 वें सिख गुरु बने। इन्होंने वर्ष 1665 में **आनंदपुर साहिब** की स्थापना की तथा समानता, न्याय और भक्ति पर ध्यान केंद्रित करते हुए **गुरु ग्रंथ साहिब** में 700 से अधिक भजनों का योगदान दिया।

❖ विरासत:

- इन्होंने औरंगजेब के शासनकाल के दौरान जबरन धर्मांतरण का विरोध किया तथा अपने अनुयायियों के बीच निर्भयता (निरभौ) और सद्भाव (निरवैर) को प्रोत्साहित किया।
- धर्म और अंतःकरण की स्वतंत्रता की रक्षा के लिये उन्हें “हिंद-दी-चादर” (भारत की ढाल) के रूप में सम्मानित किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप





सिख धर्म के दस गुरु:

गुरु नानक देव (1469-1539)	<ul style="list-style-type: none"> ये सिखों के पहले गुरु और सिख धर्म के संस्थापक थे। इन्होंने 'गुरु का लंगर' की शुरुआत की। ये बाबर के समकालीन थे। गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर करतारपुर कॉरिडोर को शुरू किया गया था।
गुरु अंगद (1504-1552)	<ul style="list-style-type: none"> इन्होंने गुरुमुखी नामक नई लिपि का आविष्कार किया और 'गुरु का लंगर' प्रथा को लोकप्रिय बनाया।
गुरु अमर दास (1479-1574)	<ul style="list-style-type: none"> इन्होंने आनंद कारज विवाह (Anand Karaj Marriage) समारोह की शुरुआत की। इन्होंने सिखों के बीच सती और पर्दा प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त किया। ये अकबर के समकालीन थे।
गुरु राम दास (1534-1581)	<ul style="list-style-type: none"> इन्होंने वर्ष 1577 में अकबर द्वारा दी गई ज़मीन पर अमृतसर की स्थापना की। इन्होंने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर (Golden Temple) का निर्माण शुरू किया।
गुरु अर्जुन देव (1563-1606)	<ul style="list-style-type: none"> इन्होंने वर्ष 1604 में आदि ग्रंथ की रचना की। इन्होंने स्वर्ण मंदिर का निर्माण कार्य पूरा किया। ये शाहिदीन-दे-सरताज (Shaheeden-de-Sartaj) के रूप में प्रचलित थे। इन्हें जहाँगीर ने राजकुमार खुसरो की मदद करने के आरोप में मार दिया।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



गुरु हरगोबिंद (1594-1644)	<ul style="list-style-type: none"> इन्होंने सिख समुदाय को एक सैन्य समुदाय में बदल दिया। इन्हें “सैनिक संत” (Soldier Saint) के रूप में जाना जाता है। इन्होंने अकाल तख्त की स्थापना की और अमृतसर शहर को मजबूत किया। इन्होंने जहांगीर और शाहजहाँ के खिलाफ युद्ध छेड़ा।
गुरु हर राय (1630-1661)	<ul style="list-style-type: none"> ये शांतिप्रिय व्यक्ति थे और इन्होंने अपना अधिकांश जीवन औरंगजेब के साथ शांति बनाए रखने तथा मिशनरी काम करने में समर्पित कर दिया।
गुरु हरकिशन (1656-1664)	<ul style="list-style-type: none"> ये अन्य सभी गुरुओं में सबसे कम आयु के गुरु थे और इन्हें 5 वर्ष की आयु में गुरु की उपाधि दी गई थी। इनके खिलाफ औरंगजेब द्वारा इस्लाम विरोधी कार्य के लिये सम्मन जारी किया गया था।
गुरु तेग बहादुर (1621-1675)	<ul style="list-style-type: none"> इन्होंने आनंदपुर साहिब की स्थापना की।
गुरु गोबिंद सिंह (1666-1708)	<ul style="list-style-type: none"> इन्होंने वर्ष 1699 में ‘खालसा’ नामक योद्धा समुदाय की स्थापना की। इन्होंने एक नया संस्कार “पाहुल” (Pahul) शुरू किया। ये मानव रूप में अंतिम सिख गुरु थे और इन्होंने ‘गुरु ग्रंथ साहिब’ को सिखों के गुरु के रूप में नामित किया।

हायली गुब्बी ज्वालामुखी

चर्चा में क्यों ?

इथियोपिया में स्थित **हायली गुब्बी ज्वालामुखी** में भयंकर विस्फोट हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप हज़ारों मीटर ऊँचाई तक राख के विशाल गुबार उठे। इन राख कणों का एक भाग भारतीय वायुक्षेत्र में प्रवेश कर गया है, जिसके कारण विमानन-संबंधी चेतावनी जारी की गई है।

मुख्य बिंदु

हायली गुब्बी ज्वालामुखी के बारे में:

- यह ज्वालामुखी उत्तरी-पूर्वी इथियोपिया के अफार क्षेत्र में स्थित है और **दानाकिल डिप्रेशन** का हिस्सा है, जो पृथ्वी के सबसे गर्म तथा सबसे निम्न स्थलों में से एक है।
- यह विस्फोट **महत्त्वपूर्ण** है, क्योंकि अफार क्षेत्र से प्राप्त भू-वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ऐसा माना जाता है कि यह ज्वालामुखी लगभग **12,000 वर्षों** के बाद सक्रिय हुआ है।
- यह विस्फोट **पूर्वी अफ्रीकी दरार प्रणाली (EARS)** की भू-वैज्ञानिक अस्थिरता को रेखांकित करता है, जहाँ सक्रिय ज्वालामुखी, दरार-विस्फोट तथा विस्तृत रेखाएँ सामान्य हैं।
- यह विश्व की अत्यंत **विवर्तनिक रूप से सक्रिय** दरार प्रणालियों में से एक है, जहाँ **अरब, न्युबियन और सोमाली** विवर्तनिक प्लेटें अपसरण कर रही हैं।
- इस क्षेत्र की विशेषता **बेसाल्टिक लावा**, **फिशर प्रणालियाँ** और **महाद्वीपीय विखंडन प्रक्रिया** से संबद्ध लगातार भूकंपीय गतिविधियाँ हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स

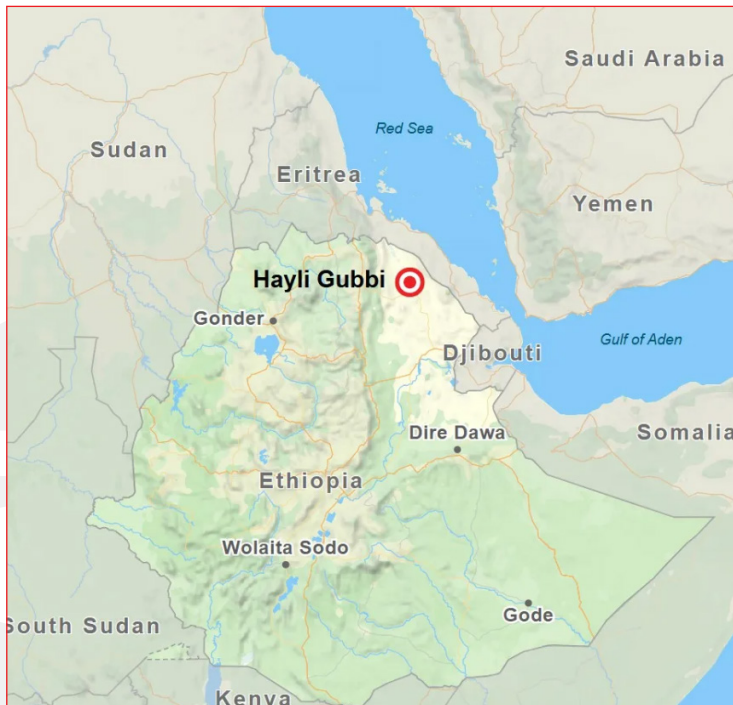


दृष्टि लर्निंग
ऐप



ज्वालामुखीय राख और विमानन जोखिम

- ♦ ज्वालामुखीय राख अत्यंत सूक्ष्म, घर्षणकारी चट्टानी तथा काँचीय कणों से बनी होती है, जो **जेट इंजनों** के भीतर प्रवेश कर पिघल सकती है और गंभीर क्षति पहुँचा सकती है।
- ♦ जब राख पिघलकर टरबाइन ब्लेड पर पुनः जम जाती है तो जेट इंजन बंद हो सकते हैं।



नई चेतना 4.0 अभियान

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री के साथ मिलकर **दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)** के तहत एक राष्ट्रीय पहल '**नई चेतना 4.0**' का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- ♦ पहल के बारे में:
 - नई चेतना - परिवर्तन की पहल का चौथा संस्करण विशेष रूप से ग्रामीण भारत में महिलाओं की सुरक्षा, गतिशीलता, सम्मान और सामाजिक-आर्थिक भागीदारी को सुदृढ़ करने पर केंद्रित है
 - यह अभियान DAY-NRLM के तहत **स्वयं सहायता समूहों (SHG)** के व्यापक नेटवर्क के नेतृत्व में 25 नवंबर से 23 दिसंबर, 2025 तक संपूर्ण देश में संचालित किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- इसमें **नशा-उन्मूलन** पर विशेष जोर दिया गया है, जिसे **घरेलू हिंसा** का प्रमुख कारण माना गया है तथा गाँव-स्तरीय अभियानों के माध्यम से हिंसा-मुक्त समुदायों को बढ़ावा दिया जाएगा।
- यह पहल शासन में महिलाओं की स्थिति, सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, साड़ी घरेलू ज़िम्मेदारियाँ तथा महिलाओं की आर्थिक भूमिकाओं की मान्यता को रेखांकित करती है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)

- ❖ इस मिशन को वर्ष 2011 में प्रारंभ किया गया था तथा इसकी क्रियान्वयन संरचना और पहुँच को सुदृढ़ करने हेतु वर्ष 2015 में इसका पुनर्गठन किया गया।
- ❖ मिशन का क्रियान्वयन **ग्रामीण विकास मंत्रालय** द्वारा किया जाता है।
- ❖ इस योजना का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों (SHG) के माध्यम से **स्वरोज़गार**, **कौशल विकास** और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देकर **ग्रामीण गरीबी को कम** करना है।
- ❖ यह मुख्यतः ग्रामीण महिलाओं को SHGs में संगठित करने, उन्हें क्रेडिट लिंकिंग, क्षमता-विकास सहायता तथा बाज़ारों तक बेहतर पहुँच प्रदान करने पर केंद्रित है।
- ❖ इसमें वित्तीय समावेशन, **डिजिटल साक्षरता** तथा आजीविका गतिविधियों के विविधीकरण जैसे प्रमुख घटक शामिल हैं, जिनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में **पारिवारिक आय** में सुधार और स्थिरता सुनिश्चित करना है।

भारत में राष्ट्रमंडल खेल 2030 का आयोजन

चर्चा में क्यों ?

भारत के आधिकारिक रूप से शताब्दी राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेज़बानी का अधिकार प्राप्त करने पर **प्रधानमंत्री** ने राष्ट्र को बधाई दी। यह खेलों के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मुख्य बिंदु

- ❖ मेज़बानी के बारे में:
 - **शताब्दी राष्ट्रमंडल खेल 2030** का आयोजन भारत के अहमदाबाद में किया जाएगा।
 - यह उपलब्धि भारत के लिये एक प्रमुख कूटनीतिक एवं खेल संबंधी सफलता है, जिसने वैश्विक **खेल प्रशासन** में देश की दृश्यता और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित की है।
 - यह मेज़बानी भारत के दीर्घकालिक खेल दृष्टिकोण के अनुरूप है, विशेष रूप से खेल अवसंरचना को उन्नत करने, वैश्विक आयोजन मेज़बानी क्षमता को सुदृढ़ करने तथा **खेलो इंडिया** और **टारगेट ओलंपिक पोडियम (TOP) योजना** जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से एथलीटों को समर्थन बढ़ाने के प्रयासों के अनुरूप है।
 - भारत ने अंतिम बार वर्ष 2010 में नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी की थी।
- ❖ राष्ट्रमंडल खेल:
 - राष्ट्रमंडल खेल (CWG) एक अंतर्राष्ट्रीय बहु-खेल आयोजन है जो प्रत्येक चार वर्ष में आयोजित होता है, जिसमें सभी 56 राष्ट्रमंडल देशों के एथलीट भाग लेते हैं।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



- यह पहली बार वर्ष 1930 में हैमिल्टन, कनाडा में ब्रिटिश एंपायर गेम्स के रूप में आयोजित किया गया था।
- भारत ने पहली बार वर्ष 1934 के लंदन राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लिया था।
- इस आयोजन का संचालन **राष्ट्रमंडल खेल** (जिसे पहले राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के नाम से जाना जाता था) द्वारा किया जाता है, जिसका मुख्यालय लंदन (इंग्लैंड) में है, जो यह सुनिश्चित करता है कि खेल मानवता, समानता और नियति के मूल्यों को बनाए रखें।
- वर्ष 2026 के राष्ट्रमंडल खेल स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित होंगे।

राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने भारत में शहरी परिवर्तन को गति देने हेतु यशोभूमि, नई दिल्ली में **राष्ट्रीय शहरी सम्मेलन 2025** का उद्घाटन किया।

- ♦ यह दो दिवसीय सम्मेलन “सतत शहरी विकास और शासन” के विषय पर आधारित है, जिसका उद्देश्य शहरी नवाचार, निवेश तथा शासन पर विचार-विमर्श करना है।

मुख्य बिंदु

शुरू की गई प्रमुख पहलें

- ♦ मिशन-मार्ग डंपसाइट सुधार (DRAP):
- DRAP एक वार्षिक राष्ट्रीय पहल है, जिसका उद्देश्य पुरानी अपशिष्ट डंपसाइटों (legacy waste dumpsites) की त्वरित सफाई करना तथा सितंबर 2026 तक मूल्यवान शहरी भूमि का पुनः अर्जन करना है।
- यह 202 **शहरी स्थानीय निकायों (ULBs)** में 214 उच्च प्रभाव वाले लैंडफिल स्थलों पर ध्यान केंद्रित करती है, जिनमें भारत का 8.8 करोड़ टन (80%) कचरा समाहित है।
- इसका कार्यान्वयन **SP ढाँचे** के तहत किया जाता है- राजनीतिक नेतृत्व, सार्वजनिक वित्त, जन-सहायता, परियोजना प्रबंधन और साझेदारी।
- DRAP में प्रगति निगरानी और पारदर्शिता के लिये एक समर्पित राष्ट्रीय पोर्टल के माध्यम से रीयल-टाइम मॉनिटरिंग भी शामिल है।
- ♦ अर्बन इन्वेस्ट विंडो (UiWIN):
- **आवास एवं शहरी विकास निगम (HUDCO)** द्वारा संचालित UiWIN, शहरी अवसंरचना के लिये वन-स्टॉप निवेश सुविधा मंच है।
- इसका उद्देश्य निजी और बहुपक्षीय फंडिंग (जैसे- विश्व बैंक, एडीबी) को आकर्षित करना है, ताकि **अपशिष्ट प्रबंधन, गतिशीलता, जल, सीवेज तथा जलवायु-प्रतिरोधी अवसंरचना परियोजनाओं** के लिये दीर्घकालिक तथा अनुदानात्मक वित्तपोषण उपलब्ध हो सके।

दृष्टि आईएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



❖ स्वच्छ भारत मिशन - नॉलेज मैनेजमेंट यूनिट (KMU):

- यह SBM-अर्बन के तहत संस्थागत शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिये NIUA द्वारा संचालित एक समर्पित ज्ञान और क्षमता निर्माण मंच है।

❖ अमृत गान "जल ही जननी":

- यह अटल मिशन फॉर रेजुवनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (AMRUT) के तहत जल संरक्षण जागरूकता को बढ़ावा देता है।

भारत उष्ण कटिबंधीय वन निधि में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल

चर्चा में क्यों ?

भारत ब्राज़ील के नेतृत्व वाली ट्रॉपिकल फॉरेस्ट फॉरएवर फैसिलिटी (TFFF) में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हो गया है, जो पेरिस समझौते के तहत बहुपक्षीय जलवायु कार्रवाई में उसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जिसकी इस वर्ष 10वीं वर्षगांठ है।

मुख्य बिंदु

❖ ट्रॉपिकल फॉरेस्ट फॉरएवर फैसिलिटी (TFFF) के बारे में:

- इसे ब्राज़ील द्वारा नवंबर 2025 में बेलेम, ब्राज़ील में आयोजित COP30 में लॉन्च किया गया, जिसका उद्देश्य वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से उष्ण कटिबंधीय वनों के संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिये देशों को पुरस्कृत करना है।
- इसका कार्य सार्वजनिक और निजी निवेश के माध्यम से 125 बिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाना तथा वन संरक्षण एवं विस्तार में मापनीय सफलता के आधार पर राष्ट्रों को लाभ वितरित करना है।
 - ❏ इस पहल का लक्ष्य वन संरक्षण और जलवायु अनुकूलन के लिये परिणाम-आधारित वैश्विक वित्त मॉडल का निर्माण करना तथा वैश्विक जलवायु एजेंडे में उष्ण कटिबंधीय देशों की भूमिका को सशक्त बनाना है।

❖ COP30 जलवायु परिवर्तन सम्मेलन:

- UNFCCC सम्मेलन के 30वें सत्र, COP30 का आयोजन 10 से 21 नवंबर, 2025 तक ब्राज़ील के बेलेम में किया जा रहा है।
- यह पेरिस समझौते (2015-2025) की 10वीं वर्षगांठ का प्रतीक है और इसके तहत की गई प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन पर केंद्रित है।
- एजेंडा में पेरिस लक्ष्यों पर प्रगति की समीक्षा करना, अद्यतन और महत्वाकांक्षी NDCs (राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान) के लिये प्रयास करना तथा जलवायु अनुकूलन एवं शमन के लिये अधिक वित्तपोषण व प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुनिश्चित करना शामिल है।

❖ कार्रवाई के छह स्तंभ:

- उत्सर्जन शमन (Mitigation): ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना।
- अनुकूलन (Adaptation): जलवायु प्रभावों के प्रति लचीलापन विकसित करना।
- वित्त (Finance): सार्वजनिक और निजी जलवायु निधियों को जुटाना।
- प्रौद्योगिकी (Technology): नवाचार और स्वच्छ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।
- क्षमता निर्माण (Capacity-Building): स्थानीय कार्यकर्ताओं और प्रणालियों को सशक्त करना।
- कार्यान्वयन साधन (Means of Implementation): सभी प्रयासों को व्यावहारिक और मूल परिवर्तन में एकीकृत करना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्स



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप



भारत की जलवायु प्रगति

- ❖ भारत ने वर्ष 2005 से 2020 के बीच उत्सर्जन तीव्रता में 36% की कमी प्राप्त की है, जो उसके प्रारंभिक NDC लक्ष्यों से अधिक है।
- ❖ इसके अलावा, भारत ने 200 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित की है, जो वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है तथा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोत कुल विद्युत क्षमता का 50% से अधिक है।
- ❖ भारत का वन और वृक्षावरण अब 25.17% क्षेत्र में विस्तृत है, जिससे वर्ष 2005 से 2021 के बीच अतिरिक्त 2.29 बिलियन टन CO₂ समतुल्य अतिरिक्त कार्बन सिंक का निर्माण हुआ है।
- ❖ वैश्विक स्तर पर, भारत प्रमुख हरित पहलों जैसे कि फ्रांस के साथ अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) (2015) और राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन तथा जैव ईंधन कार्यक्रम जैसे घरेलू प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को बढ़ावा मिल रहा है।



दृष्टि
The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC
मेन्स टेस्ट सीरीज़
2026



UPSC
क्लासरूम
कोर्सेस



IAS करेंट अफेयर्स
मॉड्यूल कोर्स



दृष्टि लर्निंग
ऐप

